आज का विचार
अच्छे भविष्य की सपना देखना बुरी बात नहीं, लेकिन सपने देखने के बाद भी मेहनत न करना खुद से बेइमानी है

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

7

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। शनिवार, 26 अप्रैल, 2025 | वर्ष 23, अंक 105, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठः 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

ए.आई. मिशन का गठन कर गुरुग्राम और पंचकूला में बनेगें एक-एक हबः नायब सैनी

नवाचार आज की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का मूलमंत्रः मुख्यमंत्री

युवाओं के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और नवाचार की नई संस्कृति की जा रही विकसित

भुपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नवाचार आज की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का एक मूलमंत्र है। एआई, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और बायोटेक जैसे क्षेत्र नए भारत के उभरते स्तंभ हैं। हरियाणा ने भी एक मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को पूसा भवन नई दिल्ली में आयोजित समृद्ध एवं महान भारत 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस विजन 2047' को सम्बोधित कर रहे थे। इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के विश्व विद्यालयों में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं। शिक्षण संस्थानों में टिंकरिंग लैब स्थापित की गई हैं। इसके अलावा अटल इनोवेशन को जमीन पर लागू करने के लिए विद्यार्थियों में अनुसंधान की प्रवृत्ति को बढ़ाया जा रहा है। गुरुग्राम में हरियाणा इनोवेशन हब स्थापित किया गया है। इसके साथ ही हर जिले में भी इनोवेशन हब बनाए जा रहे हैं।

जीवन के हर क्षेत्र और विकास के हर पहलू में ए.आई. का बड़ा महत्वः सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र और विकास के हर पहलू में ए.आई. का बड़ा महत्व है। इसलिए हरियाणा में ए.आई. मिशन का गठन कर गुरुग्राम और पंचकूला में एक-एक हब स्थापित किया जाएगा। इनमें हरियाणा के 50 हजार से अधिक युवाओं और पेशेवरों को अति-आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे युवा नई नौकरियों और अवसरों के लिए तैयार हो सकेंगे। इस सम्मेलन में स्वदेशी शोध संस्थान, नई दिल्ली, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश और यूनिवर्सिटी ऑफ एग्डर, नॉर्वे के पदाधिकारियों ने भाग लिया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सम्मेलन न केवल एक वैचारिक मंच है, बल्कि यह सबकी साझा आकांक्षाओं, राष्ट्रीय लक्ष्यों और भविष्य की दिशा का निर्धारण करने का एक प्रेरक अवसर है। जनसांख्यिकी का उपयोग और रोजगार के लिए रणनीतियां बड़ा ही समसामयिक और प्रासंगिक है। जनसंख्या का सही उपयोग करने के लिए शिक्षा, उद्यमिता, नवाचार और युवा जनसंख्या स्थायित्व कारगर उपकरण है।

'प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा'

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 की कल्पना कीजिए, जिस समय भारत अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ मना रहा होगा। जब हम अपनी आजादी का उत्सव मनाएंगे, तब यह मूल्यांकन भी करेंगे कि हमने इस आजादी का उपयोग किस दिशा में किया है। भारत को एक समृद्ध, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य हम सभी 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित व महान राष्ट्र बनाने में हरियाणा की अहम भूमिका रहेगी। सम्मेलन में किया गया विचार मंथन भारत को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए बड़ा कारगर सिद्ध होगा।

बांदीपुरा मुठभेड़ में मारा गया लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर अल्ताफ लाली

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को बांदीपुरा में चल रहे ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी गई

एजेंसी (हि.स.)
बांदीपुरा

बांदीपुरा में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच जारी मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर अल्ताफ लाली को मार गिराया गया है। यह अभियान 26 लोगों की जान लेने वाले हमले में शामिल संदिग्ध लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को मार गिराने के लिए व्यापक सुरक्षा अभियान का हिस्सा है।

आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में शुक्रवार को सुबह विशेष खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बांदीपुरा में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया गया, जिसके बाद गोलीबारी हुई। शुरूआती गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी घायल हो गया, जिसकी बाद में मौत हो गई। इसी मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

इस बीच सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे, जहां उन्हें

बांदीपुरा में चल रहे ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी गई। वह स्थिति की व्यापक सुरक्षा समीक्षा करेंगे और पहलगाम आतंकी हमले के पीछे संदिग्ध लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों का पता लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन की प्रगति का आकलन करेंगे।

एक अन्य घटनाक्रम में पहलगाम हमले में शामिल माने जा रहे दो आतंकवादियों के घरों को शुक्रवार को सुरक्षाबलों और जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों ने नष्ट कर दिया। बिजबिहाड़ा में लश्कर के आतंकवादी आदिल हुसैन थोकर के घर को आईईडी का इस्तेमाल करके उड़ा दिया गया, जबकि त्राल में आसिफ शेख के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। माना जाता है कि आदिल थोकर ने पाकिस्तानी आतंकवादियों को बैसरन घाटी में हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

अनंतनाग पुलिस ने थोकर और हमले को अंजाम देने वाले दो पाकिस्तानी नागरिकों अली भाई और हाशिम मूसा के बारे में जानकारी देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

सुरक्षा बलों ने हमलावरों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किए जाने के बाद तीनों के स्केच भी जारी किए गए हैं। माना जाता है कि हमलावरों की संख्या 4-5 थी, जो मंगलवार को बैसरन घाटी के आसपास के घने देवदार के जंगल से निकले और पर्यटकों पर एके-47 राइफलों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। कुछ जीवित बचे लोगों ने बताया कि सेना की वर्दी पहने आतंकवादियों ने धर्म की पुष्टि के लिए पहचान-पत्रों की जांच की और गैर-मुस्लिमों के रूप में पहचाने जाने वालों को गोली मार दी।

एक नजर

मजीठिया को मिली जमानत बरकरार, पंजाब सरकार की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी की अध्यक्षता वाली बेंच ने ड्रग्स मामले में अकाली दल नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की ओर से मिली जमानत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। मजीठिया को हाई कोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।इसके पहले 4 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने मजीठिया को निर्देश दिया था कि वे 17 मार्च को एसआईटी के समक्ष जांच के लिए पेश हों। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने कहा था कि बिक्रम मजीठिया सवालों का जवाब नहीं दे रहे हैं। इस पर मजीठिया की ओर से कहा गया था कि उन्हें राजनीतिक कारणों से परेशान किया जा रहा है।

भारत ने नेपाल को दो मिलियन अमेरिकी डॉलर की चिकित्सा सहायता भेजी

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को अपनी पड़ोसी प्रथम नीति के तहत नेपाल को दो मिलियन अमेरिकी डॉलर की चिकित्सा सहायता भेजी है। इस सहायता में थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग से पीड़ित रोगियों के लिए दवाइयां और टीके शामिल हैं। इस सहायता की पहली किस्त में थैलेसीमिया रोगियों के टीकाकरण के लिए टीकों की 17,030 शीशियां शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, पड़ोसी पहले नीति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए। भारत ने नेपाल के अनुरोध पर थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग के रोगियों के लिए 2 मिलियन डॉलर मूल्य की दवाइयों और टीकों की सहायता भेजी है।

राजा इकबाल सिंह बने दिल्ली के महापौर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली में महापौर और उपमहापौर के पदों के लिए शुक्रवार को हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इकतरफा जीत हासिल की है। राजा इकबाल सिंह को महापौर और जय भगवान यादव को उपमहापौर के रूप में चुना गया है।उपमहापौर पद के लिए कांग्रेस की उम्मीदवार आरीबा खान ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे भाजपा के जय भगवान यादव को निर्विरोध उपमहापौर चुना गया। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी (आआपा) ने भाग नहीं लिया, जिससे भाजपा की जीत पहले से सुनिश्चित मानी जा रही थी। राजा इकबाल सिंह ने जीत के बाद सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि भाजपा दिल्ली नगर निगम में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले कुछ समय से नगर निगम में विकास कार्य

सुस्त पड़े थे लेकिन भाजपा के आने से इन कार्यों में तेजी आएगी। उनका यह भी कहना था कि नगर निगम शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाएगा।

नगर निगम के चुनाव में 142 पार्षदों ने भाग लिया, जिसमें भाजपा के उम्मीदवार को 133 और कांग्रेस के उम्मीदवार को 8 मत मिले। महापौर चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में 238 पार्षदों के साथ-साथ 10 सांसद (लोकसभा से सात और राज्यसभा से तीन) और 14 विधायक शामिल थे। ाजा इकबाल सिंह ने राजधानी की एक प्रमुख समस्या में प्रदूषण कम करने का भी आश्वासन दिया है।

संपत्तियों के धर्मनिरपेक्ष प्रबंधन के लिए है वक्फ संशोधन कानूनः केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा है कि ये संशोधन मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाबी हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा है कि वक्फ कानून में संशोधन संपत्तियों के धर्मनिरपेक्ष प्रबंधन के लिए है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 5 मई को सुनवाई होने वाली है। केंद्र सरकार ने हलफनामे में कहा है कि वक्फ संशोधन कानून किसी भी तरह से संविधान के अनुच्छेद 25 एवं 26 का उल्लंघन नहीं करता है। ये संशोधन सरकार के कार्यक्षेत्र के तहत किया गया है। केंद्र सरकार ने कहा है कि जो संपत्तियां पहले से वक्फ के रुप में रजिस्टर्ड हैं, उन्हें बाय यूजर के प्रावधान से कोई असर नहीं पड़ेगा। ये गलत नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि इससे सदियों पुराने वक्फ संपत्तियों पर असर पड़ेगा।

हमें बुराई को खत्म करने के लिए दिखानी होगी ताकत : भागवत

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद देशवासी गुस्से में हैं। नफरत और दुश्मनी हमारा स्वभाव नहीं है, लेकिन लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच है। हमें बुराई को खत्म करने के लिए ताकत दिखानी होगी। ताकत होने और उसकी जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है यह दिखाने का कि हमारा देश कितना शक्तिशाली है। हम सबके दिलों में दर्द है। सभी भारतीय जाग चुके हैं। ऐसे हमलों को रोकने के लिए समाज में एकता जरूरी है।

डॉ. भागवत विलेपार्ले के दीनानाथ थिएटर में गुरुवार रात को आयोजित चौथे लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि रावण भगवान

शिव का भक्त था लेकिन उसके आसपास कुछ ऐसी चीजें थीं जिन्हें समझाया और सुलझाया नहीं जा सका। कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें समझाने से कोई समस्या हल नहीं होगी। उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए।

सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि अगर हम एकजुट हो जाएं तो कोई भी हमारी तरफ बुरी नजर से देखने की हिम्मत नहीं कर सकेगा। किसी से नफरत या शत्रुता रखना हमारे स्वभाव में नहीं है, लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी हमारे स्वभाव में नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार से मजबूत प्रतिक्रिया की उम्मीद है और उन्हें विश्वास है कि यह उम्मीद पूरी होगी। डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म की जड़ हमारे हृदय में है। दुनिया में केवल एक ही धर्म है- मानवता का धर्म, जिसे आजकल हिंदू धर्म कहा जाता है। संप्रदाय के अनुशासन का पालन सभी को करना पड़ता है और इसमें थोड़ी कट्टरता भी होती है। उन्होंने कहा कि संविधान धर्मनिरपेक्ष है, संविधान के निमार्ता धर्मनिरपेक्ष थे क्योंकि हमारी 5,000 साल पुरानी संस्कृति हमें यही सिखाती है।

कार्यक्रम में एम. राजन को संगीत सेवा के लिए मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही नाटक 'आसेन मी नासेन मी' को मोहन वाघ पुरस्कार, आरंभ सोसायटी फॉर स्पास्टिक एंड स्लो लर्नर्स की अंबिका तकलकर को आनंदमयी पुरस्कार और श्रीपम सबनीस को साहित्यिक सेवा के लिए वाग्विलासिनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कोलकाता में रह रहे 30 पाकिस्तानी नागरिक खुफिया एजेंसियों के रडार पर

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। इसी क्रम में कोलकाता में लॉन्ग टर्म वीजा (एलटीवी) पर रह रहे 30 पाकिस्तानी नागरिकों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है।इनमें से अधिकांश महिलाएं हैं, जो कोलकाता के स्थानीय वासियों से विवाह कर चुकी हैं।खुफिया विभाग के सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में 30 पाकिस्तानी नागरिक कोलकाता में एलटीवी के तहत रह रहे हैं। यह वीजा उन पाकिस्तानी नागरिकों को दिया जाता है, जो भारत में विवाह के उपरांत यहां बसते हैं।शुरूआत में पांच वर्ष का वीजा दिया जाता है, जिसके बाद उसे एक या

दो वर्षों की अवधि में नवीनीकृत कराना होता है। हर बार वीजा नवीनीकरण से पहले खुफिया जांच अनिवार्य होती है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने कोलकाता के इन पाकिस्तानी नागरिकों की रोजमर्रा की गतिविधियों और संपर्कों पर पैनी नजर रखनी शुरू कर दी है।खासकर यह पता लगाया जा रहा है कि ये लोग किन लोगों से संपर्क में हैं और क्या उनके भारतीय नागरिकों के साथ रिश्ते सिर्फ पारिवारिक हैं या इसमें कुछ और उद्देश्य छिपा है।

शाह के पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से

टेलीफोन पर बात की है। सूत्रों ने बताया कि चर्चा के दौरान अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा है।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत ने 23 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक में किए गए निर्णयों के क्रम में भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय किया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल तक वैध रहेंगे। वर्तमान में भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को संशोधित वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ना होगा। इसी क्रम में पाकिस्तान में रह रहे भारतीयों को जल्द से जल्द स्वदेश लौटने को कहा गया है। वदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की सख्त सलाह दी है। साथ ही वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी जल्द से जल्द भारत लौटने की सलाह दी है।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के कस्तूरीरंगन का निधन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष और प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन का निधन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार को 84 वर्ष की आयु में बेंगलुरु में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

डॉ. कस्तूरीरंगन का योगदान भारत की अंतरिक्ष वैज्ञानिक उपलब्धियों में बेहद अहम रहा है। वे 1994 से 2003 तक इसरो के अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण उपग्रह प्रक्षेपण कार्यक्रमों का नेतृत्व किया।

डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन योजना आयोग के सदस्य रहे। उन्होंने 27 अगस्त, 2003 को अपना कार्यालय छोड़ने से पहले, अंतरिक्ष आयोग के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग में भारत सरकार के सचिव के

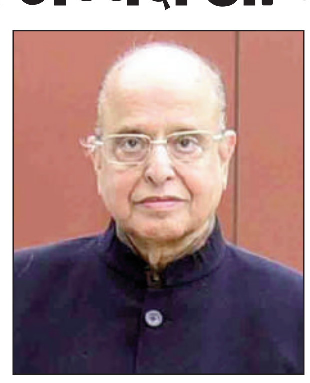

रूप में 9 वर्षों से अधिक समय तक भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को शानदार ढंग से आगे बढ़ाया। इससे पहले इसरो उपग्रह केंद्र के निदेशक रहे, जहां उन्होंने नई पीढ़ी के अंतरिक्ष यान, भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह (इन्सैट-2) और भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह (आई.आर.एस.-1ए और 1बी) के साथ-साथ वैज्ञानिक उपग्रहों के विकास से संबंधित गतिविधियों का पर्यवेक्षण किया।

कस्तूरीरंगन के राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा : प्रधानमंत्री

फाइल फोटो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर दुख जताया और कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री ने कस्तूरीरंगन के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए पोस्ट किया, 'मैं भारत की वैज्ञानिक और शैक्षिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन से बहुत दुखी हूं। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने इसरो में बहुत मेहनत से काम किया, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जिसके लिए हमें वैश्विक मान्यता भी मिली। उनके नेतृत्व में महत्वाकांक्षी उपग्रह प्रक्षेपण भी हुए और नवाचार पर ध्यान केंद्रित किया गया।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रारूपण के दौरान और भारत में शिक्षा को अधिक समग्र और दूरदर्शी बनाने के लिए डॉ. कस्तूरीरंगन के प्रयासों के लिए भारत हमेशा उनका आभारी रहेगा। वे कई युवा वैज्ञानिकों और शोधकताओं के लिए एक उत्कृष्ट मार्गदर्शक भी थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, छात्रों, वैज्ञानिकों और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।

धामी ने आइकॉनिक सिटी ऋषिकेश राफ्टिंग बेस स्टेशन का किया शिलान्यास

संवाददाता
देहरादून

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत आइकॉनिक सिटी ऋषिकेश राफ्टिंग बेस स्टेशन का शिलान्यास किया। परियोजना के पहले चरण में इसका निर्माण शिवपुरी से मुनी की रेती तक किया जाएगा। भारत सरकार के द्वारा इसके लिए 100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गयी है, परियोजना को 02 वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

विभिन्न विभागों के कार्यालय एक ही छत के नीचे आने से आम जन को होगी सुविधाः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश में बहुमंजिला कार पार्किंग और कार्यालय भवन निर्माण का भी शिलान्यास किया। नगर निगम ऋषिकेश की भूमि पर बहुमंजिला कार पार्किंग और कार्यालय निर्माण का कार्य लगभग 136 करोड़ रुपए की लागत से एमडीडीए द्वारा किया जायेगा। लगभग 10 हजार 441 वर्ग मी. भूमि पर 1038 वाहनों के लिए बहुमंजिला पार्किंग और नगर निगम ऋषिकेश, जल संस्थान ऋषिकेश और यूपीसीएल के कार्यालयों के लिए भवन निर्माण किया जायेगा।

पार्किंग और कार्यालय निर्माण में अग्निशमन सुरक्षा, आधुनिक सीसीटीवी, एक्सेस कंट्रोल सिस्टम के साथ ही वर्षा जल संचय, सोलर लाइट, लिफ्ट, हरित क्षेत्र और अन्य कार्य किये जायेंगे।

नगर निगम ऋषिकेश के अन्तर्गत लगभग 01 करोड़ 51 लाख के विभिन्न कार्यों का भी मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पर्यावरण मित्रों को मेडिकल किट और यात्री मित्र किट भी प्रदान किये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाइड्रोजेल वाटरलेस टॉयलेट का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश में राफ्टिंग बेस स्टेशन बनने से राफ्टिंग क्षेत्र से जुड़े स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर बढ़ेगें। ऋषिकेश को रिवर राफ्टिंग के वैश्विक हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में हम एक कदम और आगे बढ़े हैं। राफ्टिंग बेस स्टेशन के साथ ही पर्यटकों के लिए आरामदायक स्टेशन और नदी किनारे बोर्डवॉक का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए राफ्टिंग मार्गों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था विकसित किये जाने के साथ ही सीसीटीवी कैमरे, एसओएस अलार्म और आपातकालीन सहायता स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे।

आतंकवाद की लड़ाई के खिलाफ पूरा विपक्ष केंद्र सरकार के साथ : राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

कांग्रेस और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम में हुई आतंकी घटना के जवाब में पूरा विपक्ष सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है। इस घटना में दो दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा और वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर के साथ श्रीनगर में मीडिया को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि कल हमारी सरकार के साथ बैठक हुई थी। विपक्ष ने इस हमले की निंदा की और सरकार की हर कार्रवाई को पूरा समर्थन

देने का आश्वासन दिया।

आज सुबह श्रीनगर पहुंचे गांधी ने पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की और कहा कि हमले के पीछे समाज को विभाजित करने की मंशा थी। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट हो। हमें आतंकवादियों की कोशिशों को हराना होगा। अपने कश्मीर दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहलगाम हमले में घायल लोगों से एक से मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि उन सभी लोगों को मेरा प्यार और स्नेह, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है। पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

सांप्रदायिक सद्भाव की आवश्यकता पर बल देते हुए और कश्मीर के निर्दोष लोगों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग देश के अन्य हिस्सों में कश्मीर के मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं। हमें एक साथ खड़े होकर आतंकवाद को हमेशा के लिए हराना चाहिए।

ठेकेदारों की लंबित देनदारियों का इसी महीने किया जाए निपटारा: मुख्यमंत्री

'पहली किस्त 28 से पहले और शेष राशि 30 अप्रैल तक ठेकेदारों को प्रदान कर दी जाएगी'

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को वित्त विभाग की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए लोक निर्माण विभाग (PWD) और जल शक्ति विभाग के ठेकेदारों की लंबित देनदारियों को 30 अप्रैल से पहले जारी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि लंबित भुगतानों की पहली किस्त 28 अप्रैल से पहले और शेष राशि 30 अप्रैल तक ठेकेदारों को प्रदान कर दी जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को समय पर बिल तैयार कर कोषागार में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि भुगतान प्रक्रिया में कोई विलंब न हो।

सुक्खू ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय बिल हर महीने की 10 तारीख के बाद ही प्रस्तुत किए जाएं, क्योंकि राज्य सरकार को केंद्रीय कर का हिस्सा इसी तारीख को प्राप्त होता है। इस व्यवस्था से राज्य की वित्तीय योजना में संतुलन बना रहेगा और देनदारियों का समय पर निपटान संभव हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है और ठेकेदारों के बकाया भुगतान से निर्माण कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि बजट प्रावधानों के अनुरूप कार्यों की प्राथमिकता तय कर वित्तीय अनुशासन के साथ योजनाओं को क्रियान्वित किया जाए।

इस बैठक में विधायक सुंदर सिंह ठाकुर, मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान, अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार चंद शर्मा, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, सचिव वित्त डॉ. अभिषेक जैन, प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग एन.पी. सिंह, प्रमुख अभियंता जल शक्ति विभाग अंजू शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

शिमला। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों की याद में शुक्रवार को शिमला में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सचिवालय परिसर में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमला बेहद निंदनीय और कायरतापूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस दुखद अवसर पर हम सभी पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और इस संकट की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के सभी उपायुक्त कार्यालयों में भी मौन धारण कर शोक व्यक्त किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। वहीं उपायुक्त कार्यालय शिमला के बचत भवन सभागार में भी पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की आत्मा की शांति के लिए शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।

देवभूमि क्षत्रिय संगठन के खिलाफ चक्का जाम पर एफआईआर दर्ज

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

स्वर्ण आयोग के गठन और अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी के विरोध में सचिवालय के बाहर सड़क पर घंटों चक्का जाम करने वाले देवभूमि क्षत्रिय संगठन व स्वर्ण मोर्चा के कार्यकर्ताओं पर अब पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। छोटा शिमला थाना में सभा की प्रदेशाध्यक्ष रुमित ठाकुर समेत अन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 189(2), 126(2) और 223 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को ये जानकारी दी।

दरअसल यह प्रदर्शन गुरुवार को किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में देवभूमि क्षत्रिय संगठन के सदस्य शामिल हुए। टॉलैंड से सचिवालय तक रोष रैली निकालने के बाद प्रदर्शनकारियों ने छोटा शिमला में मुख्य मार्ग पर बैठकर घंटों तक चक्का जाम कर दिया। इससे ओल्ड बस स्टैंड से लेकर संजौली मार्ग तक यातायात पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे आम जनता खास तौर पर स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

प्रदर्शनकारियों के देर शाम तक सड़क पर जमे रहने के चलते वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ओल्ड बस अड्डे से संजौली जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह बंद कर दिया गया जबकि संजौली की ओर जाने वाली बसों को वैकल्पिक मार्ग लक्कड़ बाजार होते हुए भेजना पड़ा। छोटा शिमला की ओर जाने वाले यात्रियों को पैदल ही अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा।

देवभूमि क्षत्रिय सभा का कहना है कि स्वर्ण आयोग गठन की मांग पिछले दो वर्षों से लंबित है। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष रुमित ठाकुर ने कहा था कि मुख्यमंत्री ने छह महीने में आयोग गठन का आश्वासन दिया था लेकिन अब दो साल बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उनका कहना है कि जब अन्य वर्गों के लिए आयोग गठित हो सकते हैं तो स्वर्ण समाज को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है।

गौरतलब है कि इस प्रदर्शन के दौरान न केवल यातायात ठप रहा बल्कि आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ। लोगों को ऑफिस और अन्य जरूरी कामों के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पुलिस प्रशासन अब इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कानूनी कार्रवाई कर रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में राजगढ़ बंद, नागरिकों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को राजगढ़ में व्यापार मंडल द्वारा आहूत बंद को व्यापक समर्थन मिला। इस दौरान सुबह 11 बजे तक शहर की सभी दुकानें, होटल और ढाबे पूरी तरह से बंद रहे। व्यापार बंद के दौरान स्थानीय नागरिकों ने पुराने बस स्टैंड पर एकत्र होकर आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसे कृत्य मानवता के खिलाफ हैं और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते हैं। वक्ता विकल्प ठाकुर ने कहा कि धर्म पूछकर और कपड़े उतरवाकर निर्दोषों को निशाना बनाना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों ने अपने परिजनों को अपनी आंखों के सामने खोया है, उनके मन से यह आघात जीवन भर नहीं मिट पाएगा। विकल्प ठाकुर ने यह भी कहा कि दुर्भाग्यवश हमारे ही देश में कुछ लोग ऐसे आतंकी हमलों का परोक्ष रूप से बचाव करते हैं, जबकि यह हमला स्पष्ट रूप से एक विशेष समुदाय को निशाना बनाकर किया गया था। उन्होंने भावुक स्वर में पूछा, आखिर कब तक अपने ही देश में हिंदू होने की सजा भुगतनी पड़ेगी?

शिमला में दो युवक चरस सहित गिरफ्तार

शिमला। राजधानी शिमला के कसुम्पटी क्षेत्र में पुलिस ने दो युवकों को 282 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस की टीम गुरूवार देर शाम कसुम्पटी-पंथाघाटी क्षेत्र में नियमित गश्त पर थी तब पुलिस के जवानों ने दो संदिग्ध युवकों को रोका और तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 282 ग्राम चरस बरामद की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुमा सिंह पुत्र रोशन लाल गांव मढोना डाकघर सरैन तहसील चौपाल जिला शिमला (उम्र 38 वर्ष) और विशाल शर्मा पुत्र रोशन लाल निवासी गांव व डाकघर द्वास तहसील चौपाल जिला शिमला (उम्र 27 वर्ष) के रूप में हुई है। छोटा शिमला पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी शिमला संजीव गांधी ने बताया कि नशे के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी सूरत में नशे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा।

प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफॉर्म 'वेव्स' पर कंटेंट क्रिएटर्स को मिलेगा नया मंच

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

डिजिटल युग में पारंपरिक मीडिया और भारत की सम्रद्ध संस्क्रति व भाषाई पहचान को नया आयाम देने के लिए सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती ने नया ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स (वेव्स) शुरू किया है। यह प्लेटफॉर्म एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध रहेगा। इसकी खास बात यह है कि इसमें उपभोक्ताओं को न केवल लाइव टीवी बल्कि ऑन-डिमांड वीडियो, रेडियो, गेम्स और ई-बुक्स जैसी विविध सुविधाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी। वेव्स का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि ज्ञानवर्धन और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना भी है। इस प्लेटफॉर्म पर 65 से अधिक लाइव चैनल, रेडियो स्ट्रीमिंग, टीवी शो, फिल्में, डॉक्यूमेंट्रीज, ऑनलाइन शॉपिंग, ई-बुक्स और फ्री-टू-प्ले गेम्स की सुविधाएं मौजूद हैं। विशेष बात यह है कि यह कंटेंट 12 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगा जिससे यह देश के विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों को जोड़ने में मदद करेगा।

शिमला में शुक्रवार को आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्र शिमला के कलस्टर हेड कश्मीर सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि वेव्स को परिवार के अनुकूल कंटेंट के साथ एक वन स्टॉप डिजिटल हब के रूप में तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि वेव्स के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी डिजिटल रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। बच्चों और युवाओं के लिए शिक्षा और मनोरंजन को जोड़ते हुए विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस ओटीटी प्लेटफॉर्म की एक और अहम विशेषता है 'क्रिएटर कॉर्नर'। यह सेक्शन नए और उभरते कंटेंट क्रिएटर्स को मंच प्रदान करेगा, जहां वे अपना मौलिक कंटेंट अपलोड कर देशभर के दर्शकों तक पहुंचा सकेंगे। इससे न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि वेव्स प्लेटफॉर्म पर पौराणिक कथाओं, साहित्य, लोकनृत्य जैसे पारम्परिक विषयों को आधुनिक प्रस्तुति में ढाला गया है। इस अवसर पर आकाशवाणी शिमला के समाचार एकांश के क्षेत्रीय प्रमुख रितेश कपूर, कार्यक्रम प्रमुख अनिल वर्मा, दूरदर्शन शिमला की क्षेत्रीय समाचार प्रमुख नंदिनी मित्तल और पीआईबी निदेशक प्रितम सिंह मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

पहलगाम में बलिदान हुए हिंदुओं की स्मृति में उमंग का रक्तदान शिविर कल

शिमला। पहलगाम में इस्लामी आतंकवादियों द्वारा किए गए हिंदू नरसंहार के शहीदों की पुण्य स्मृति में उमंग फाउंडेशन 27 अप्रैल (रविवार) को रिज मैदान पर रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर बलिदानियों को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। उमंग फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. अजय श्रीवास्तव ने कहा कि इस्लामी आतंकवादियों द्वारा कश्मीर में किए गए नरसंहार के प्रति संपूर्ण समाज में जबरदस्त आक्रोश है। जनता पाकिस्तान के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की मांग कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आतंकवादियों और उनके आकाओं को सबक सिखाने का संकल्प किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष ने इस मामले में केंद्र की हर कार्रवाई का समर्थन करने का वादा किया है।ऐसे में शहीदों के परिजनों, सरकार और सेना के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने की जरूरत है। अजय श्रीवास्तव ने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि वह इस अवसर पर रिज मैदान पर आकर दिवंगत निर्दोष हिंदुओं को श्रद्धांजलि दें। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक की टीम शिविर में रक्त संग्रह करेगी।

सड़क हादसे में भारापुर के दो युवकों की मौत

नाहन। नाहन पांवटा साहिब नेशनल हाईवे शंभू वाला में देर रात एक सड़क हादसे में बाइक दो युवकों की मौत हो गयी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार धौला कुआं के भारापूर निवासी 22 वर्षीय नरेन्द्र और 23 वर्षीय महेश बुलेट बाइक से खजूरना पुल की ओर से अपने घर भारापुर की ओर जा रहे थे। गुरुवार देर रात करीब सवा 1:00 बजे शंभू वाला के पास तेज रफ्तार बाइक एक मोड पर सड़क के डंगे से टकरा गई। हादसा में दोनों बाइक सवार युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने रात को ही पुलिस को सूचित कर दिया गया था। मौके पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर नाहन मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। घटना की खबर मिलने पर युवकों के इलाके में मातम पसर गया है। घटना के संबंध में जिला पुलिस कप्तान एन एस नेगी ने बताया कि मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमार्टम नाहन मेडिकल कॉलेज में करवाया गया है।

रेणुका क्षेत्र में करंट लगने से 24 वर्षीय युवक की मौत

नाहन। सिरमौर जिला के तहसील मुख्यालय ददाहू में बिजली का करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक युवक जोगिन्दर आयु 24 वर्ष थी जोकि ददाहू में एक किराये के मकान में अपने बड़े भाई के साथ रहता था जहां उसे बाथरूम में बिजली की रॉड से करंट लग गया। जिसपर उसका भाई व पडोसी उसे अस्पताल ले गए। घटना की सुचना मिलते ही उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक संगड़ाह क्षेत्र के उदर कांडो गांव का रहने वाला था। आज उसका पोस्टमार्टम हुआ है और शव परिजनों को सौंप दिया गया है। एसएचओ रेणुका ने बताया कि पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

प्राकृतिक खेती का आदर्श गांव बनकर उभरा मंडी जिला का गांव कधार

मंडी। मंडी जिला के उपमंडल जोगिंदर नगर और पधर के छोर पर बसा गांव कधार। यहां कुल 14 परिवार रहते हैं। इस गांव की एक खास बात है कि यहां प्रत्येक परिवार प्राकृतिक खेती विधि को अपना चुका है और मण्डी जिला में प्राकृतिक खेती का आदर्श गांव बनकर उभरा है। कुछ वर्ष पूर्व तक यहां के लोग भी रसायनिक खेती ही कर रहे थे। इसी बीच कधार गांव की महिलाओं ने प्राकृतिक खेती विधि की बारीकियां सीखीं। इससे प्रभावित होकर पूरे गांव ने प्राकृतिक खेती शुरू की। गांव की रजनी देवी बताती हैं कि चार वर्ष पूर्व उन्होंने प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण प्राप्त किया। पहले साल सभी परिवारों ने इस विधि को प्रयोग के तौर पर लिया और उन्हें अच्छे परिणाम भी मिले। इससे उनका हौसला बढ़ा और उन्होंने खेती की इस विधि को व्यापक तौर पर बढ़ावा दिया। आज हमें गर्व है कि कधार प्राकृतिक खेती में आदर्श गांव बनकर उभरा है। वर्तमान में गांव के किसान आठ हैक्टेयर से अधिक भूमि पर प्राकृतिक खेती विधि से गेहूं, जौ, मक्की, मटर, आलू, सोयाबीन, राजमाह तथा कोदरा (रागी) जैसी पारम्परिक फसल बीजते हैं। यह खेती उनके लिए कम खर्च वाली सिद्ध हुई है, क्योंकि इसके लिए केवल गाय का गोबर व गौमूत्र मुख्य घटक हैं। गांव में सबके पास देसी गाय होने से उन्हें यह मुफ्त में ही प्राप्त हो जाता है। प्राकृतिक खेती से उगाई मक्की व गेहूं के समर्थन मूल्य में प्रदेश सरकार द्वारा की गई बढ़ोतरी से ग्रामीण खुश हैं। रजनी देवी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी के लिए प्रदेश सरकार का धन्यवाद किया।

विद्यार्थी जीवन में खेलों की भूमिका अहम: उपायुक्त

चम्बा। उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों की भूमिका अहम रहती हैए शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलकूद जरूरी है औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चंबा में जिला स्तरीय 18वीं खेलकूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि भाग भाग लेते हुए बोल रहे थे। उपायुक्त ने प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि खेलकूद गतिविधियों से युवाओं का सकारात्मक गतिविधियों में ध्यान केंद्रित रहता हैए वहीं खेल गतिविधियां युवाओं को नशे जैसी कुरितियों से भी दूर रहने के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उपायुक्त ने खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चम्बा तथा विजेता प्रतिभागियों को शुभकामनायें भी दीं। मुकेश रेपसवाल ने तकनीकी शिक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी देश के आर्थिकए सामाजिक और औद्योगिक विकास में तकनीकी शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कृषि क्षेत्र के विकास के लिए रिमोट सेंसिंग की भूमिका अहम: चन्द्र कुमार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

कृषि मंत्री प्रो. चन्द्र कुमार ने कहा है कि वर्तमान में कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीक का उपयोग बहुत महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रिमोट सेंसिंग तकनीक के माध्यम से मौसम के साथ-साथ अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके माध्यम से विभिन्न प्रकार की समस्याओं का दक्षतापूर्वक समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है। चंद्र कुमार शुक्रवार को भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान देहरादून में कृषि अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में प्रदेश सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अनेक नवोन्मेषी पहल की हैं। प्रदेश में हिम कृषि योजना आरम्भ की गई है, जिसके तहत विभिन्न कलस्टरों में गतिविधियां आरम्भ की गई हैं। किसानों के उत्थान के लिए हिमाचल प्रदेश फसल विविधिकरण संवर्धन परियोजना के तहत 154 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जिससे कृषि यंत्रीकरण और तकनीक के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक खेती के माध्यम से उगाई गई कच्ची हल्दी के लिए 90 रुपये प्रतिकिलो समर्थन मूल्य घोषित किया है। प्रो. चन्द्र कुमार ने भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान देहरादून द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों का किसानों और बागवानों को लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि रिमोट सेंसिंग तकनीक को कृषि क्षेत्र के विकास के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कृषि अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण के लिए इस संस्थान में भेजा जाएगा। इस संस्थान में प्रदेश के 25 कृषि अधिकारियों के लिए 21 से 26 अप्रैल तक छः दिवसीय रिमोट सेंसिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

मंत्री के हाथों शिलान्यास के बाद भी शुरू नहीं हो पाया कून का तर पुल का नवनिर्माण

मंडी। मंडी जिला के उप मंडल मुख्यालय कोटली को जोगिंदर नगर क्षेत्र से जोड़ने वाले कून का तर पुल का नवनिर्माण लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के हाथों शिलान्यास के कई महीनो बाद भी शुरू नहीं हो पा रहा है। जबकि पिछले दो वर्षों से तीन विधानसभा क्षेत्रों के हजारों लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं। हालांकि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का दावा है कि शीघ्र ही पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा और 6 महीनों के अंदर वाहनों की आवाजाही सुचारू हो जाएगी। तब तक के लिए राजाओं के जमाने में बने वर्षों पुराने पैदल पुल की मरम्मत करके लोगों की आवाजाही के लिए दो हफ्तों के अंदर बहाल कर दिया जाएगा। कोटली से जोगिंदर नगर सड़क मार्ग पर कून का तर में व्यास नदी पर बना पुल 9 जुलाई 2023 को आई भयंकर बाढ़ की भेंट चढ़ गया था। तब से लेकर आज तक तकरीबन 2 वर्ष बीत जाने पर भी यहां नए पुल का निर्माण लोगों के लिए एक सपना बनकर रह गया है। पिछले से पिछली बरसात के मौसम में आई बाढ़ में व्यास नदी के उफान से पुल के बह जाने के बाद तीन विधानसभा क्षेत्रों का संपर्क लगभग पूरी तरह ठप्प पड़ा हुआ है।

हमीरपुर डीसी कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली कराए गए

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

डीसी कार्यालय हमीरपुर को बम से उड़ाने की धमकी ने प्रशासन और पुलिस को हाई अलर्ट पर ला दिया है। शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा दी गई इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए पूरे परिसर को तत्काल खाली करवाया गया और बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वाड की टीमें घंटों तक सघन तलाशी अभियान में जुटी रहीं।

सूचना के अनुसार शुक्रवार को डीसी कार्यालय को एक अज्ञात फोन कॉल या मेल के जरिए बम धमकी मिली। इसकी सूचना मिलते ही प्रशासन ने तुरंत पुलिस, एनटीबी और स्निफर डॉग टीम को मौके पर तैनात कर दिया। डीसी कार्यालय परिसर में काम कर रहे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा कारणों से बाहर निकाला गया।

इस मामले पर डीसी हमीरपुर अमरजीत सिंह ने मीडिया को बताया, धमकी मिलने के बाद तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया। जांच शुरू की गई है और हर संभव कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ दिनों में हमने डीसी कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त बनाने के निर्देश दिए थे।

गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में हिमाचल प्रदेश के कई जिलों के डीसी कार्यालयों को ऐसी धमकी भरे मेल या कॉल मिल चुके हैं। शिमला और मंडी में भी इसी तरह की घटनाएं सामने आई थीं, जिसके बाद प्रशासन ने सभी जिला मुख्यालयों में सुरक्षा बढ़ा दी थी। तलाशी अभियान के बाद अभी तक परिसर में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन पुलिस ने सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

प्रारंभिक और उच्च शिक्षा निदेशालय के विलय के विरोध में प्राथमिक शिक्षक संघ, प्रदर्शन का ऐलान

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल सरकार द्वारा प्रारंभिक और उच्च शिक्षा निदेशालयों को मर्ज कर एक संयुक्त निदेशालय बनाने के फैसले से प्राथमिक शिक्षक संघ आक्रोशित हो गया है। इस के विरोध में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने 26 अप्रैल (शनिवार) को राजधानी शिमला के चौड़ा मैदान में प्रदेशव्यापी धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया है। प्रदर्शन को लेकर प्रदेशभर से शिक्षकों के शिमला पहुंचने की संभावना है। सरकार की ओर से इस प्रदर्शन को रोकने के लिए प्राथमिक शिक्षक संघ को नोटिस जारी कर प्रदर्शन से बाज आने को कहा गया है। नोटिस में चेताया गया है कि अगर धरना हुआ तो उसमें शामिल शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पर शिक्षक संघ ने दो टूक कह दिया है कि सरकार चाहे तो उन्हें निलंबित कर दे लेकिन प्रदर्शन होकर रहेगा।

प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश शर्मा ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की बात कर रही है, लेकिन प्रारंभिक और उच्च शिक्षा निदेशालय को मिलाना एक बेहद अव्यवस्थित निर्णय है। इससे शिक्षा की बुनियादी संरचना प्रभावित होगी और प्रदेश ने जो शैक्षणिक उपलब्धियां अब तक हासिल की हैं, वे कमजोर पड़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1984 में हिमाचल में प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय की स्थापना विशेष तौर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। इसके बाद से राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में देशभर में विशेष पहचान बनाई है। ऐसे में अब दो अलग-अलग व्यवस्थाओं को मिलाकर एक करना न तो शिक्षकों के हित में है और न ही विद्यार्थियों के।

समारोह

छात्रों को नशे से दूरी बनाए रखने का आग्रह किया

नौणी में 9वीं वार्षिक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

एजेंसी (हि.स.)
नौणी

डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी में 9वीं वार्षिक अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का विश्वविद्यालय में शुरूआत हुई। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में समग्र विकास और शारीरिक तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के चार घटक कॉलेजोंरू नौणी में बागवानी एवं वानिकी कॉलेज और नेरी तथा थुनाग में बागवानी एवं वानिकी कॉलेज के 360 छात्र भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर सोलन के पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। अपने संबोधन में सिंह ने समग्र व्यक्तित्व निर्माण और प्रोफेशनल सफलता के लिए आवश्यक गुणों को बढ़ावा देने में पाठ्येतर गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया। खेलकूद में सक्रिय भागीदारी के लिए छात्रों और आयोजकों की सराहना करते हुए सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे खेल नेतृत्व, टीम वर्क, समय प्रबंधन और निर्णय लेने के कौशल का विस्तार करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों को न केवल प्रतिस्पर्धात्मक रूप से बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए आजीवन आदत के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

ड्रग्स के दुरुपयोग की बढ़ती चिंता को संबोधित करते हुए, सिंह ने छात्रों को नशे से दूरी बनाए रखने का आग्रह करते हुए एक मजबूत संदेश दिया। वास्तविक जीवन के उदाहरणों को साझा करते हुए, उन्होंने नशीली दवाओं के उपयोग के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को सतर्क रहने, एक-दूसरे का समर्थन करने और जरूरत पड़ने पर माता-पिता, शिक्षकों या पुलिस प्रशासन से मार्गदर्शन लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खेलों में भाग लेना और एक मजबूत नैतिक दिशा विकसित करने का एक रचनात्मक तरीका है।

इससे पहले, डीन छात्र कल्याण डॉ. एचपी सांख्यान ने मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने खेल भावना के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को खेलों से मिलने वाले व्यापक जीवन के सबक को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। वानिकी की चैथे वर्ष की छात्रा अंजलि ठाकुर ने खेल भावना की शपथ दिलाई। सभी कॉलेजों के प्रतिभागियों द्वारा मार्च पास्ट ने उच्च स्तर के समन्वय और अनुशासन को दशार्या।

इस वर्ष, छात्र विभिन्न जैसी ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं, जिसमें 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 5000 मीटर और 10,000 मीटर दौड़ और 4*100 मीटर और 4*400 मीटर रिले शामिल हैं। फील्ड स्पधाओं में शॉटपुट, जैवलिन, डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप, हाई जंप और ट्रिपल जंप शामिल होंगे। फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और शतरंज जैसे टीम खेल भी खेले जाएंगे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सब का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड प्रेस, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सरकार का लक्ष्य नशा मुक्त, स्वस्थ और सशक्त हरियाणा बनाना: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नशा मुक्त हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 को जींद से झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नशा मुक्त हरियाणा संकल्प के साथ चल रही राज्य स्तरीय साइक्लोथॉन 2.0 को जींद से झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई को खाप पंचायतों, युवाओं, महिलाओं, शिक्षकों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर सफल बनाना होगा। हमारा लक्ष्य नशा मुक्त, स्वस्थ और सशक्त हरियाणा बनाना है। यह साइकिल यात्रा नशे से लड़ने, जागरूकता लाने और एकता के साथ समाज से नशे के खात्मा करने के संकल्प का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि खाप पंचायतें हमारे सामाजिक ताने-बाने का प्राचीन काल से ही अभिन्न अंग रही हैं। हरियाणा प्रदेश की गणधर्मी परम्परा, खाप और सर्वखाप पंचायतों के रूप में विद्यमान रही है। इतिहास साक्षी है कि हरियाणा की इस पंचायत परम्परा ने कई बार विदेशी शक्तियों से लोहा लिया। कई बड़े

नशे के खिलाफ लड़ाई को समाज के सभी वर्गों को मिलकर बनाना होगा सफल

फैसले खापों ने लिए हैं। आज, हम नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं, तब खापों ने इस साइक्लोथॉन में भाग लेकर यह सिद्ध कर दिया है कि खाप पंचायतें न केवल परंपरा की संरक्षक हैं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की अग्रदूत भी हैं। खापों ने पहले भी समाज को संदेश दिया है कि जो नशे को बढ़ावा देगा, उसका सामाजिक बहिष्कार होगा और जो नशा छोड़ेगा, उसका स्वागत होगा। इस साइक्लोथॉन को खापों ने समर्थन दिया है और इनके सहयोग से निश्चित तौर पर हरियाणा नशा मुक्त होकर रहेगा।

उन्होंने कहा कि गत 5 अप्रैल को हिसार से शुरू हुई साइकिल रैली विभिन्न जिलों से होती हुई जींद पहुंच चुकी है। आज यह बरवाला के लिए रवाना होगी। बरवाला फतेहाबाद होते हुए 27 अप्रैल को सिरसा में इसका समापन होगा।

मुख्यमंत्री ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि आप भविष्य की नींव को मजबूत कर रहे हैं। आप अपने कदमों से नशे के खिलाफ अलख जगा रहे हैं। यह यात्रा गांव-गांव, शहर-शहर पहुंचेगी, बच्चों को, युवाओं को, किसानों को, महिलाओं को, हर वर्ग को संदेश देगी 'नशा मुक्त हरियाणा-हमारा सपना, हमारा संकल्प'। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्वच्छ भारत', 'स्वस्थ भारत' और 'सशक्त भारत' का लक्ष्य रखा है। इन सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 'नशा मुक्त भारत' बहुत जरूरी है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा, विधायक रामकुमार गौतम, देवेंद्र अत्री सहित खाप पंचायतों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ अभियान से कहीं न कहीं आतंकवाद पर भी लगेगी रोक

नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा व मादक पदार्थों की तस्करी पूरे मानव समाज के लिए चुनौती बन चुके है। नशीले पदार्थों की तस्करी के काले कारोबार से जो धन मिलता है, वह संसार में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी। उन्हें भी नशीले पदार्थों की तस्करी से ही पैसा मिलता है। नशे के खिलाफ अभियान से कहीं न कहीं आतंकवाद पर भी रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि यह साइक्लोथॉन सिर्फ एक साइकिल यात्रा नहीं, बल्कि नशे के खिलाफ एक आंदोलन है, एक जन-जागरण का संकल्प है। आज हमारे युवा, हमारी खाप पंचायतें, बुजुर्ग और माताएं सभी एकजुट होकर 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' का संदेश दे रहे हैं, तो अवश्य ही समाज में बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले ऐसी ही रैली वर्ष 2023 में पूरे प्रदेश में निकाली गई थी। साइक्लोथॉन 25 दिनों तक चली थी। उसमें 1 लाख 77 हजार 200 साइकलिस्ट जुड़े और 5 लाख 25 हजार 800 अन्य लोगों ने भी भागीदारी की थी। उसकी सफलता को देखते हुए इस साइक्लोथॉन 2.0 का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री की अपील, युवा अपने जीवन में नशे के लिए न कहने का साहस दिखाएं

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में नशे के लिए न कहने का साहस दिखाएं। अगर आप किसी को नशे की गिरफ्त में देखें, तो उससे दूरी बनाने के बजाय उसे सहयोग दें, उसे सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें। सामाजिक बदलाव की शुरुआत घर से होती है। हम सब मिलकर अपने-अपने घरों से शुरुआत करें। उन्होंने कहा कि स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम हों, पंचायतें, नगर निगम और स्थानीय निकाय भी इस मुद्दे को प्राथमिकता दें और सबसे महत्वपूर्ण, हम खुद उदाहरण बनें। उन्होंने कहा कि सरकार हर कदम पर आपके साथ है। हम हर उस हाथ को थामेंगे जो नशे से बाहर निकलना चाहता है और हर उस जड़ को उखाड़ेंगे जो नशे को फैलाती है। नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के हर माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संस्थाओं से आह्वान किया कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई को सभी एकजुट होकर लड़ें। बच्चों से संवाद करें, उन्हें समझाएं, डराएं नहीं। उन्हें गले लगाएं, धिक्कारें नहीं। क्योंकि नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं है, यह पूरे समाज के लिए चुनौती है।

नशे पर लगाम लगाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे पर लगाम लगाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। ड्रग्स की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए कड़े कानून बनाए हैं। अंतर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए एजेंसियों को सशक्त किया है। सीमावर्ती राज्यों और इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। लेकिन कानून से भी बड़ा है जन आंदोलन। यह साइकिल यात्रा उसी जन आंदोलन का हिस्सा है। जब लोग खुद जागरूक होते हैं, तब वे दूसरों को जागरूक करते हैं, तब बदलाव सुनिश्चित होता है।

स्कूल की छात्राओं ने जेईई परीक्षा में स्कूल का नाम किया रोशन

संवाददाता

लाडवा

Sakshi

Gagandeep Kaur

लाडवा के सुगनी देवी आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राएं गगनदीप कौर और साक्षी ने जेईई मेन 2025 परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए देश के प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेज में अपना स्थान सुरक्षित किया। स्कूल की प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनकी मेहनत और स्कूल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव का परिणाम है` उन्होंने विश्वास जताया कि यह सफलता अन्य छात्रों को भी प्रेरित करेगी। प्रधानाचार्या और शिक्षकगण ने उनकी लगन और परिश्रम की सराहना करते हुए इसे उनके दृढ़ निश्चय और अथक प्रयासों का परिणाम बताया। स्कूल की मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों ने भी गगनदीप कौर, साक्षी और उनके माता-पिता और शिक्षकों को इस अद्भुत उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके सहयोग व मार्गदर्शन की सराहना की` गगनदीप कौर और साक्षी की यह शानदार सफलता इस बात का प्रमाण है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो कोई भी सपना असंभव नहीं` स्कूल की यह उपलब्धि उनकी उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का निर्माण किया जाता है और गगनदीप कौर और साक्षी इसका जीवंत उदाहरण हैं।

पंजाब पुलिस कर्मचारी से मारपीट पर दो युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना पुलिस ने पंजाब पुलिस के एक कर्मचारी के साथ मारपीट कर कोर्ट द्वारा जारी वारंट और वर्दी फाड़ने के मामले में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवकों की पहचान सुरजीत सिंह उर्फ जीता पुत्र रांझा राम व तरसेम पुत्र सुरजीत सिंह निवासी गांव चंदू जिला संगरूर पंजाब के रूप में हुई है। दोनों को शुक्रवार को अदालत में पेश कर हिसार जेल भेजा गया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 12 मार्च को पंजाब के मानसा जिले के गांव गोबिंदपुरा निवासी एवं पंजाब पुलिस के एएसआई जगतार सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी थाना सदर मानसा में सम्मन वारंटी तामिल करवाने की ड्यूटी है। जब मानसा सेशन कोर्ट जारी बुटा राम निवासी चन्दु मांडवी, जिला संगरूर के खिलाफ जारी वारंट को तामिल करवाने के लिए सुखपाल सिंह व बलजीत सिंह के साथ रेलवे रोड, टोहाना पहुंचा और सैनी चौक के पास गली में खड़े बुटाराम के पास गया तो उसने गाली गलौच शुरू कर दी और वारंट छीनकर फाड़ दिया।

ग्लोब हेरिटेज ने इंटर डिस्ट्रिक्ट रूरल गेम्स चैंपियनशिप में परचम लहराया

25 स्वर्ण, 18 रजत व 8 कांस्य पदकों के साथ कुल 51 पदक जीतकर स्कूल का नाम किया रोशन

अनिल गोयल

लाडवा

ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटर डिस्ट्रिक्ट रूरल गेम्स चैंपियनशिप में परचम लहराया। स्कूल के खेलकूद विभाग के अध्यापक संजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मारकण्डा नेशनल कॉलेज शाहबाद में रूरल गेम्स एसोसिएशन कुरुक्षेत्र की तरफ से डिस्ट्रिक्ट रूरल गेम्स चैंपियनशिप 2025 आयोजित की गयी जिसमें लगभग 15 टीमों के लगभग 450 से ज्यादा खिलाडियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 5000 मीटर, रिले रेस, शॉट पुट, डिसकस थ्रो व लॉन्ग जम्प प्रतिस्पधाओं में 25 स्वर्ण, 18 रजत व 8 कांस्य पदकों के साथ कुल 51 पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। पदक जीतने वाले खिलाडियों में निहाल, दैविश, सूर्यांश, दिलावर, आर्यन, चेतन, अश्मीत, काव्यादीप, अनिरुद्ध, युवराज, कनिष्क, परनीत, दिव्यम, युवराज, भगत राम, एरिक, सानवी, भाविका, केशव व परवर ने स्वर्ण पदक हासिल किया वहीं अश्मीत, सूर्यांश, निहाल, अनिरुद्ध, युवराज, परनीत, युवराज, हर्ष, अंशित, कनिष्क, मौलिक, भगत राम, रमनीत, कुणाल, केशव राणा व मयंक ने रजत पदक और अनिरुद्ध, कनिष्क, दिव्यम, हर्ष, अंशित, कनिष्क, रेहान, मौलिक, रमनीत, सानवी, सार्थक व परवर ने कांस्य पदक जीता। स्कूल में पहुँचने पर विजेताओं का स्वागत किया गया। विजेताओं का स्वागत करने के पश्चात प्रधानाचार्या रीतू सिंगला ने खिलाडियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया वो सभी बधाई के पात्र हैं व टीम के प्रशिक्षक बच्चों को इतनी मेहनत कराने के लिए सराहना के पात्र हैं। उन्होंने इस जीत को ग्लोब हेरिटेज फैमिली की जीत बताते हुए कहा कि स्कूल में शैक्षिक अध्ध्यन के साथ बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेलकूद, मानसिक विकास के लिए आर्ट एवं क्राफ्ट व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर बच्चों को प्रतिभागिता हमेशा कराई जाती रहेगी।

संक्षिप्त-समाचार

विद्यार्थियों ने जानी बैंकिंग प्रणाली

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा-लाडवा-कुरुक्षेत्र के कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के वाणिज्य के विद्यार्थियों ने एचडीएफसी बैंक, लाडवा का दौरा किया तथा बैंक के कामकाज के बारे में जानकारी हासिल की। विद्यार्थियों का बैंक अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। बैंक मैनेजर श्री राम धीमान ने विद्यार्थियों को बैंक के कामकाज जैसे कैश काउंटर, पूछताछ काउंटर, क्रेडिट कार्ड सुविधा, ग्राहक सहायता सेवाएँ, यूपीआई सेवाएँ आदि के बारे में बताया। विद्यार्थियों का इस बैंक में जाना विद्यार्थियों के लिए वाणिज्य विषयों के विषय को समझने में वास्तव में सहायक होगा।

संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह आयोजित

लाडवा। :संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा-लाडवा में 25 अप्रैल 2025 (शुक्रवार) को विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र खेड़ा की सेवानिवृत्ति पर भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। खेड़ा 21 दिसंबर 2016 से 25 मार्च 2025 तक प्रधानाचार्य रहे, इस दौरान उन्होंने विद्यालय के विकास और सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नेतृत्व में विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ। इस अवसर पर पवन गर्ग अध्यक्ष, रविंद्र बंसल और प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए उपस्थित थे।सभी ने श्री खेड़ा की समर्पित सेवा की सराहना की और उनके स्वस्थ और सुखद भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अदालत के आदेशों की पालना न करने पर रोडवेज बस व जीएम की कार अटैच

हिसार। यहां की एक अदालत ने राज्य परिवहन के हिसार डिपो महाप्रबंधक की कार व एक बस को अटैच कर दिया है। मामला एक कर्मचारी को इंक्रीमेंट न देने पर अदालत की अवमानना का है। मामले के अनुसार जिले के नारनौंद क्षेत्र के गांव भैणी अमीरपुर निवासी रामफल का रोडवेज अधिकारियों ने इंक्रीमेंट रोक दिया था। रामफल अपने पद से सेवानिवृत हो गया और इसके बाद अदालत की शरण में गया। अदालत ने पूरे मामले पर संज्ञान लेते हुए रोडवेज महाप्रबंधक डॉ. मंगलसेन की सरकारी गाड़ी और हांसी डिपो में खड़ी बस को अटैच कर दिया है। इस मामले में अब रोडवेज अधिकारी कोर्ट में पक्ष रखेंगे। रामफल का आरोप है कि उसको तयशुदा इंक्रीमेंट नहीं मिला था इसलिए कोर्ट में केस दायर किया था। मामले के अनुसार अदालत ने वर्ष 2023 में रोडवेज महाप्रबंधक को इंक्रीमेंट जारी करने के आदेश थे, जिसका पालन नहीं किया। रामफल ने बताया कि वह स्टोर कीपर पद से 30 जून 2012 को सेवानिवृत हुआ था। मगर विभाग की तरफ से एक साल तक यानी 1 जुलाई 2011 से 30 जून 2012 तक इंक्रीमेंट नहीं लगाया। कई बार विभाग के चक्कर काटे, सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में तीन साल बाद हक के लिए कोर्ट में केस कर दिया था। रोडवेज महाप्रबंधक की गाड़ी कर्मशाला में खड़ी कर दी है। उस पर कोर्ट की तरफ से नोटिस चस्पा दिया गया है। अब महाप्रबंधक टीएम की गाड़ी से आ-जा रहे हैं। वहीं रोडवेज की बस हांसी सब डिपो में खड़ी की गई है। अब देखना है कि अदालत में रोडवेज अधिकारी क्या पक्ष रखते हैं।

बेटे के साथ ट्रेन के आगे कूदा एसी मकैनिक, दोनों की मौत

गुरुग्राम। एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने अपने दस वर्षीय बेटे के साथ गढ़ी-हरसरू रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान गांव कांकरोला निवासी देवेंद्र और उसके बेटे लोकेश के रूप में हुई है। शुक्रवार को जांच अधिकारी योगेश ने बताया कि मृतकों के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह देवेंद्र अपने बेटे लोकेश को स्कूल छोड़ने के लिए बाइक से गया था। स्कूल जाने की बजाए वे गढ़ी हरसरू रेलवे ट्रैक पर पहुंचे गए। इस बीच यहां बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन आ गई। ट्रेन के चालक ने कई बार हॉर्न भी बजाया, लेकिन देवेन्द्र ट्रैक से नहीं हटा। जैसे ही ट्रेन नजदीक आई देवेंद्र ने अपने बेटे लोकेश को भी अपनी ओर खींच लिया जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना जीआरपी को दी गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मॉम्यूर्री भिजवा दिया। गुरुवार देर रात तक देवेंद्र और लोकेश घर नहीं पहुंचे तो परिवार के लोगों ने उनकी उनकी तलाश शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार के लोग पुलिस स्टेशन पहुंचे। पुलिस ने परिवार के लोगों को शवों की शिनाख्त करवाई। परिवार के लोगों का कहना है कि देवेंद्र एसी रिपेयर का काम करता था। घर में काई विवाद भी नहीं था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सोनीपत में फसल जलने से प्रभावित किसानों के लिए मुआवजा पोर्टल शुरू

सोनीपत। सोनीपत जिले में हाल ही में आगजनी की घटनाओं में बर्बाद हुई गेहूं की फसल से प्रभावित किसानों के लिए सरकार ने राहत कदम उठाया है। जिला प्रशासन ने मुआवजा पोर्टल लॉन्च कर दिया है, जिस पर प्रभावित किसान ऑनलाइन पंजीकरण कर मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं। अप्रैल माह में जिले के रोहट, किशोरा, हरसाना कलां, जाहरी और मसदपुर गांवों में आग लगने की घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें 12 किसानों की करीब 23. 5 एकड़ फसल जलकर नष्ट हो गई। नुकसान का आंकलन होने के बाद सरकार ने क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने का निर्णय लिया। कृषि विभाग के अनुसार, पोर्टल पर पंजीकरण के बाद भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सत्यापन के बाद पात्र किसानों को मुआवजा राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। कृषि उपनिदेशक डॉ. पवन शर्मा ने किसानों से अपील की है कि वह जल्द से जल्द पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

केंटर की टक्कर से मजदूर की मौत, दो घायल

पलवल। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई। मुंडकटी चौक के पास एटीएमएस का डीयूसीटी पाइप डालने का काम चल रहा था। इस दौरान पलवल की तरफ से आए एक केंटर ने सेफ्टी बैरियर के अंदर काम कर रहे मजदूरों को टक्कर मार दी। हादसे में उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के रहने वाले आकाश की मौत हो गई। वहीं बामनीखेड़ा गांव के शिवम और केंटर चालक घायल हो गए। टक्कर के बाद केंटर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। मृतक आकाश के मामा हीरालाल ने बताया कि वह एटीएमएस का लेबर ठेकेदार है। आकाश उनके साथ काम करता था। गुरुवार को आकाश, हेमचंद्र और 3-4 अन्य मजदूर सेफ्टी बैरियर लगाकर पाइप डालने का काम कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार और लापरवाही से आए केंटर ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद घायलों को एम्बुलेंस से जिला नागरिक अस्पताल पलवल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने आकाश को मृत घोषित कर दिया। मुंडकटी थाना प्रभारी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही टीम को मौके पर गई। टीम ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए रवाना किया।

विश्व मलेरिया दिवस के उपलक्ष में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में सभा का आयोजन

जन जन का हो एक ही नारा , मलेरिया मुक्त हो देश हमारा

संवाददाता

लाडवा

विश्व मलेरिया दिवस के उपलक्ष में दिनांक 25 अप्रैल 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कृष्णकांत ने बताया कि अब गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। इसी मौसम में मच्छर भी बहुत होते हैं। मच्छरों के कारण ही मलेरिया, डेंगू, जापानी बुखार जैसी बीमारियां होती हैं। यदि मलेरिया, डेंगू से संक्रमित व्यक्ति को मच्छर काट जाए और वहीं मच्छर फिर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटे तो उसे भी संक्रमित कर सकता है। जापानी बुखार जब व्यक्ति के मस्तिष्क तक पहुंच जाए तो यह मृत्यु का कारण भी बन सकता है। इसलिए इन बीमारियों से बचने के लिए हमें पूरा प्रयास करना चाहिए। पूरी बाजू के कपड़े पहनने चाहिएं।

घरों के आस पास पानी इकट्ठा न होने दें। गलियों में गड्ढों में मिट्टी भर दें। नालियों की सफाई करवानी चाहिए। नालियों में टेमिफोस दवाई डालने से लारवा को नष्ट किया जा सकता है। पानी की टंकियों को समय समय पर साफ करना चाहिए। कूलर, गमलों में पानी चैक करना चाहिए कि गंदा न हो। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कृष्णकांत ने बताया कि सप्ताह में एक दिन ड्राई डे जरूर मनाना चाहिए ताकि लारवा को नष्ट किया जा सके। घरों में धुआं न करें। यदि किसी व्यक्ति को बुखार, उल्टी, चक्कर आना, कंपकंपी होना, जोड़ों में दर्द होना जैसी समस्या है तो उसे अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपने खून की जांच करवानी चाहिए। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कृष्णकांत जी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने सभी को जागरूक करते हुए इन स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कृष्णकांत, डाक्टर जसविंदर, डॉक्टर विशाल, जसमेर हेल्थ इंस्पेक्टर, अमरीक सिंह स्वास्थ्य कार्यकर्ता, भारती वर्मा व मीना स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल थे।

डिफाल्टरों से 312 करोड़ वसूलेगा बिजली निगम

संवाददाता

फरीदाबाद

कर्मचारी घर-घर जाकर करेंगे जांच, बिजली मिलने पर चोरी का केस दर्ज होगा

फरीदाबाद में बिजली विभाग ने डिफॉल्टरों की लिस्ट तैयार की है। बिजली विभाग का इन डिफॉल्टरों 312 करोड़ रूपए बकाया है, बिजली निगम के कर्मचारी बकायेदारों के घर-घर जाएंगे। वे इस बात की जांच करेगे कि ऐसे लोग बिना बिजली के कैसे गुजारा कर रहे हैं। फरीदाबाद जिला में बिजली विभाग की सूची में 50 हजार 299 डिफाल्टर के नाम शामिल है। विभाग को इनसे 312 करोड़ रूपए वसूलना है। इन सभी के बिजली कनेक्शन काटे हुए हैं, रिकॉर्ड के मुताबिक, डिफाल्टर में से 30 हजार 448 शहरी और 6305 ग्रामीण शामिल हैं. इसके अलावा, छोटी वर्कशॉप 158 कनेक्शन, 860 ट्यूबवेल कनेक्शन, 9008 वाणिज्यिक कनेक्शन शामिल है। बिजली विभाग के द्वारा इन डिफाल्टर के कनेक्शन कटे हुए है। विभाग के कर्मचारी बकायेदारों के घर-घर जाकर वे इस बात की जांच करेगें कि ऐसे लोग बिना बिजली के कैसे गुजारा कर रहे हैं। ऐसे में अगर उनके घर में बिजली आ रही है, तो उनके खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज किया जाएगा। यदि डिफाल्टरों के घर में बिजली दूसरे घरों से आ रही है, तो उनके खिलाफ भी सख्ती की जाएगी। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता जितेंद्र ढुल ने बताया कि हर मामले की पड़ताल की जा रही है। ऐसे में जो बिजली उपभोक्ता डिफाल्टर घोषित हो चुके हैं, उनसे बकाया राशि वसूला जाएगा।

मुख्यमंत्री ने खाप प्रतिनिधियों को चंडीगढ आने का दिया न्यौता

खापों के सहयोग से युवा नशे से हो सकता है मुक्त: नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की खाप प्रतिनिधियों के साथ सामाजिक समस्याओं पर चर्चा

संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खापों का हमारे समाज में विशेष प्रभाव रहा है। युवा खापों से संस्कार सीखते रहे हैं, इसीलिए खाप युवाओं को नशे से मुक्ति में अहम योगदान दे सकती हैं। यह एक ऐसा गंभीर विषय है, जिसके पूरे समाज पर दुष्प्रभाव आ रहे हैं। नशे के खात्मे के लिए उनसे व सरकार से खापें जितना भी सहयोग चाहेंगी, वह दिया जाएगा। मुख्यमंत्री जींद में साइक्लोथॉन यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में हरियाणा के खाप प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि खाप प्रतिनिधि एक मुहिम चलाएं और युवाओं को नशे से दूर रखें और नशामुक्त हरियाणा बनाने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन यात्रा एक जागरूकता का प्रयास है, लेकिन इसके पीछे एक बडा उद्देश्य नशे को खत्म करना है। मुख्यमंत्री ने कहा की हमें अपने युवा को नशे की बुरी लत से बचाना है हमने अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ना है ताकि वे खेलों में अधिक से अधिक पदक ला कर हरियाणा का नाम देश और विदेश में रोशन करें ।

खाप प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें बुलाने व चर्चा तथा मान-सम्मान देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। साथ ही मुख्यमंत्री के सरल एवं हंसमुख स्वभाव की सराहना की। खाप प्रतिनिधियों ने कई विषयों पर एक-एक करके अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने भी हर बात को ध्यान से सुना और उस पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायतों की मांग पर अनेक सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की । इसके साथ ही उन्होंने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन खोलने की भी मांग रखी। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, विधायक रामकुमार गौतम सहित अन्य खाप प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ कायराना आतंकी हमला दुर्भाग्यपूर्ण: पंवार

संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार शुक्रवार को करनाल में दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के सेक्टर-7 स्थित निवास स्थान पर पहुंचे और विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि यह बहुत निंदनीय घटना है, ऐसी दुखदायी घटना से पूरा देश दुःखी है और इस दुःख की घड़ी में केंद्र व प्रदेश सरकार परिवार के साथ खड़ी है और वे विश्वास दिलाते है कि इस आतंकी हमले का सरकार मुंहतोड़ जवाब देगी तथा पीड़ित परिवार के साथ न्याय करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में पांच ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। इसके अलावा भी और कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों ने बेहद ही कायराना तरीके से हमला किया है जोकि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, आतंकवादियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बुजदिल और घिनौने कृत्य को अंजाम देने वालों पर कार्रवाई होगी, क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार अपराध के सख्त खिलाफ है। यह हमला ना केवल निर्दोष पर्यटकों के जीवन पर हमला है, बल्कि कश्मीर में शांति व सामान्य स्थिति की कोशिशों पर भी एक गंभीर चुनौती है। इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेंद्र सांगवान भी उपस्थित थे।

संपादकीय

धरती से आसमान तक... क्या पाकिस्तान भारत को टक्कर दे सकता है? कतई नहीं....

इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत और पाकिस्तान–दक्षिण एशिया के दो पड़ोसी देश जिनके संबंधों की जड़ें ऐतिहासिक, धार्मिक, भू-राजनीतिक और सैन्य प्रतिस्पर्धा में गहराई से जुड़ी हुई हैं। 1947 के विभाजन के बाद से अब तक दोनों देशों के बीच चार युद्ध और अनेक सैन्य संघर्ष हो चुके हैं। ऐसे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न अक्सर उठता है–कौन है ज्यादा ताकतवर? आइये थल, जल, नभ से लेकर फाइनेंस और जनशक्ति तक के प्रमुख मानकों पर भारत और पाकिस्तान की तुलना करें। गर हम सैन्य जनशक्ति की बात करें। भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सैन्य ताकत है, जिसकी सक्रिय सेनाओं की संख्या लगभग 14.5 लाख है, जबकि रिजर्व बल 11 लाख से अधिक है। वहीं पाकिस्तान के पास करीब 6.5 लाख सक्रिय सैनिक हैं और 5 लाख रिजर्व फोर्स है। भारतः कुल सैन्यकर्मी – 25 लाख+ जबकि पाकिस्तानः कुल सैन्यकर्मी – 11 लाख+। जनशक्ति के मामले में भारत स्पष्ट रूप से पाकिस्तान से कहीं आगे है। इसी प्रकार थल सेना यानि आर्मी की बात करें तो भारतीय थल सेना की ताकत विविध और भारी उपकरणों में है। भारत के पास 4,700 से अधिक युद्धक टैंक, 8,000 से अधिक बख्तरबंद वाहन और 10,000 से अधिक आर्टिलरी यूनिट्स हैं। वहीं पाकिस्तान के पास लगभग 2,400 टैंक, 3,500 बख्तरबंद वाहन और करीब 4,500 आर्टिलरी यूनिट्स हैं। भारत के प्रमुख टैंकः अर्जुन, टी-90, टी-72, पाकिस्तान के प्रमुख टैंकः अल-खालिद, टी-80 यू डी। भारत की थल सेना आकार, तकनीक और विविधता में पाकिस्तान से कहीं मजबूत है। जल सेना यानि नेवी में भारत की नौसेना को 'ब्लू वॉटर नेवी' माना जाता है, यानी वह दूर समंदर तक अभियान चला सकती है। इसके पास दो एयरक्राफ्ट करियर (आई एन एस विक्रांत), 10 विध्वंसक, 17 फ्रिगेट्स, और 17 पारंपरिक पनडुब्बियाँ हैं। भारत के पास एक न्यूक्लियर सबमरीन भी है–आई एन एस अरिहंत। पाकिस्तान की नौसेना छोटी है। इसमें कोई एयरक्राफ्ट करियर नहीं है और मात्र 9 प्रमुख युद्धपोत और 8 पारंपरिक पनडुब्बियाँ हैं। भारतः आई एन एस विक्रांत, आई एन एस चक्र, स्कॉर्पीन पनडुब्बियाँ, पाकिस्तानः अगस्त 2023 तक कोई न्यूक्लियर सबमरीन नहीं। समुद्री ताकत में भारत पाकिस्तान से कई गुना आगे है। वायुसेना यानि एयर फोर्स की बात करें तो भारतीय वायुसेना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी एयरफोर्स है। इसके पास लगभग 2,200 एयरक्राफ्ट हैं जिनमें 600 से अधिक फाइटर जेट शामिल हैं जैसे राफेल, सुखोई-30एमकेआई, मिराज-2000। पाकिस्तानी वायुसेना के पास करीब 900 एयरक्राफ्ट हैं, जिनमें प्रमुख रूप से जे एफ-17 थंडर, एफ-16 और मिराज फाइटर जेट हैं। भारतः राफेल, सुखोई, तेजस, पाकिस्तानः एफ-16, जे एफ-17 (चीन के साथ संयुक्त निर्माण)। तकनीकी श्रेष्ठता और मात्रा दोनों में भारत की वायुसेना कहीं अधिक प्रभावशाली है। आइये रक्षा बजट और वित्तीय ताकत की बात करते हैं। भारत का रक्षा बजट 2024-25 में ₹6.21 लाख करोड़ (प्त75 बिलियन डॉलर) रहा, जो जी डी पी का लगभग 2% है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है, जिसकी जी डी पी 2024 में लगभग 3.7 ट्रिलियन डॉलर आँकी गई। वहीं पाकिस्तान का रक्षा बजट लगभग 10 बिलियन डॉलर के आसपास है, जो उसकी जी डी पी का करीब 3-4% होता है। पाकिस्तान की कुल जी डी पी मात्र 370 बिलियन डॉलर है। भारतः अर्थव्यवस्था बड़ी, रक्षा निवेश व्यापक। पाकिस्तानः आर्थिक संकट से जूझता देश, आई एम एफ पर निर्भरता। आर्थिक ताकत के साथ-साथ रक्षा खर्च में भी भारत पाकिस्तान से बहुत आगे है। गर परमाणु शक्ति की बात करें तो दोनों देशों के पास परमाणु हथियार हैं। भारत की ह्यनो फर्स्ट यूजह्न नीति है, जबकि पाकिस्तान इस पर स्पष्ट रुख नहीं रखता। भारतः लगभग 160 वॉरहेड्स, बैलिस्टिक मिसाइल जैसे अग्नि-वी, के-4, पाकिस्तानः अनुमानित 165-170 वॉरहेड्स, मिसाइल्स जैसे शाहीन-क्क्क्क हालांकि पाकिस्तान के पास वॉरहेड्स की संख्या थोड़ी अधिक हो सकती है, लेकिन डिलिवरी सिस्टम्स की विश्वसनीयता और परमाणु पनडुब्बियों की मौजूदगी भारत को रणनीतिक लाभ देती है। सामरिक संतुलन में भारत तकनीकी और रणनीतिक रूप से बेहतर स्थिति में है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सामरिक गठबंधन के मद्देनजर भारत के अमेरिका, रूस, फ्रांस, इजरायल और जापान के साथ गहरे रक्षा संबंध हैं। क्वाड और ब्रिक्स जैसे मंचों पर भी भारत की प्रभावशाली भागीदारी है। पाकिस्तान की रक्षा साझेदारी मुख्यतः चीन और तुर्की तक सीमित है। अमेरिका से संबंधों में उतार-चढ़ाव और आई एम एफ की शर्तों के कारण पाकिस्तान की स्थिति अस्थिर बनी रहती है। भारतः वैश्विक स्तर पर रणनीतिक बढ़त, पाकिस्तानः क्षेत्रीय स्तर पर सीमित समर्थन। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत को व्यापक समर्थन प्राप्त है। सैन्य अभ्यास और प्रशिक्षण क्षमता पर गौर करें तो भारत हर वर्ष विभिन्न देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करता है–जैसे 'मालाबार', 'वरुणा', 'गरुड़', 'इंद्रा', और 'योद्धा अभ्यास'। इससे सैनिकों को विविध परिस्थितियों में प्रशिक्षित किया जाता है। पाकिस्तान भी चीन और कुछ इस्लामिक देशों के साथ सैन्य अभ्यास करता है, लेकिन इनकी संख्या और पैमाना भारत की तुलना में कम हैं। बहु-देशीय अभ्यासों और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के चलते भारत का सैन्य प्रशिक्षण स्तर उच्च है। घरेलू रक्षा उत्पादन क्षमता की बात करें तो भारत आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत रक्षा उत्पादन में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। एच ए एल द्वारा तेजस फाइटर, डी आर डी ओ द्वारा मिसाइल्स, और कई निजी कंपनियों द्वारा रक्षा उपकरण बनाए जा रहे हैं। पाकिस्तान अधिकांश सैन्य उपकरण चीन से आयात करता है, विशेषकर जे एफ-17 फाइटर जेट और ड्रोन। स्वदेशी उत्पादन सीमित है। रक्षा उत्पादन के मामले में भी भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है। साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सैन्य उपयोग पर भारत ने डिफेंस साइबर एजेंसी और ए आई पॉलिसी स्थापित कर दी है। सेना में ड्रोन, रोबोटिक्स और साइबर वॉरफेयर पर काम हो रहा है। पाकिस्तान ने भी साइबर विंग्स शुरू किए हैं लेकिन संसाधनों और टेक्नोलॉजी के अभाव के कारण वह सीमित प्रभाव ही डाल पा रहा है। तकनीकी उन्नयन और भविष्य की सैन्य रणनीतियों में भारत की स्थिति अधिक उन्नत है। अंत में कह सकते हैं कि सभी मानकों–जनशक्ति, थल, जल, नभ, परमाणु शक्ति, रक्षा बजट, कूटनीति, उत्पादन क्षमता और तकनीकी दक्षता–के आधार पर भारत पाकिस्तान से कहीं ज्यादा ताकतवर है। पाकिस्तान के पास क्षेत्रीय प्रभाव सीमित है जबकि भारत एक वैश्विक ताकत के रूप में उभर रहा है। भारत की सैन्य ताकत न केवल संख्या में बल्कि रणनीति, संयम और वैश्विक संवाद के कारण अधिक संतुलित और प्रभावशाली है। वहीं पाकिस्तान की रणनीति अधिकतर सीमित संसाधनों और अनिश्चित विदेश नीति पर निर्भर करती है।

आज का राशिफल

मेषः आज वित्तीय मामलों में सतर्कता जरूरी है। अनचाहे खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं, जिससे मानसिक अशांति संभव है। जीवनसाथी के साथ मधुर व्यवहार बनाए रखें। बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान दें। सहयोगियों व रिश्तेदारों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

वृषभः कार्यस्थल पर पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में लाभ अपेक्षा से अधिक होगा। वरिष्ठों से मार्गदर्शन मिलेगा। प्रेम संबंधों में पारदर्शिता बढ़ेगी। भाई-बहनों से सहयोग प्राप्त होगा। आप किसी नए कौशल को सीखने की ओर अग्रसर होंगे।

मिथुनः बिजनेस में सकारात्मक बढ़ोतरी संभव है। कार्यक्षेत्र में अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। किसी नई डील में निवेश फायदेमंद रहेगा। सहकर्मी आपके व्यवहार से संतुष्ट रहेंगे। आपके संकल्प आपको सफलता की ओर ले जाएंगे।

कर्कः धार्मिक आयोजनों में भाग लेंगे। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आपकी विनम्रता और व्यवहार की सराहना होगी। व्यवसाय में जोखिम उठाने का मन बनेगा। घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

सिंहः अनावश्यक बहस से बचें। राजनीति से जुड़े लोग चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। व्यापार में उतार-चढ़ाव रहेगा। अधिकारी आपके काम से प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक मामलों में असंतोष की स्थिति रह सकती है।

कन्याः उच्च अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। घर की जरूरतों की खरीदारी संभव है। होटल व खानपान व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए लाभ का दिन है। आपकी लोकप्रियता में इजाफा होगा। साझेदारी के कार्यों में लाभ मिलेगा।

तुलाः आज के दिन नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। कुछ लोग आज आपके बारे में गलत बातें फैला सकते हैं। आज के दिन कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। आज खरीदारी करते समय विवेक से काम लें।

वृश्चिकः आज के दिन आपको प्रभावशाली व्यक्तियों से सहयोग मिलेगा। संतान की उपलब्धि से हर्षित रहेंगे। नौकरी में तरक्की के योग हैं। दोस्तों पर आवश्यकता से अधिक भरोसा न करें। प्रेम विवाह के संकेत मिल रहे हैं।

धनुः पैतृक संपत्ति से जुड़ी समस्या सुलझ सकती है। आज के दिदन आपको स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। दांपत्य जीवन में तनाव रह सकता है। वाद-विवाद से दूरी बनाएं। कोई पुराना मुद्दा फिर सामने आ सकता है।

मकरः आप ऊजार्वान रहेंगे और कार्यों को सक्रियता से पूर्ण करेंगे। पत्रकारिता से जुड़े लोगों को सम्मान मिल सकता है। प्रेम में सीमाएं समझना जरूरी होगा। बाजार भ्रमण के योग हैं। कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कुंभः बिजनेस में प्रतिस्पर्धा से सतर्क रहें। पारिवारिक समरसता में कमी आ सकती है। छात्रों को मनचाही सफलता के लिए अधिक परिश्रम करना होगा। गले व नाक की समस्या हो सकती है। भावनात्मक उलझनों से बचें।

मीनः नए व्यापार को लेकर चर्चा हो सकती है। आज के दिन आपकी मानसिक स्थिति स्थिर रहेगी। अविवाहितों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं। बेरोजगारों के लिए शुभ संकेत हैं। कमीशन आधारित कार्यों में लाभ मिलेगा।

पहलगाम : अब भारत की पारी शुरू

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है।

यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपित तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस की भारत यात्रा के दौरान यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है।

पाकिस्तान ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिये अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और

राकेश दुबे (हि.स.)

शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है।

बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने एकजुट होकर हमले की निंदा की है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों पर दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है।

लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। अधिकारियों को घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता को चुना है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मध्य प्रदेश में मोहन सरकार की कृषि क्षेत्र में दंड नीति

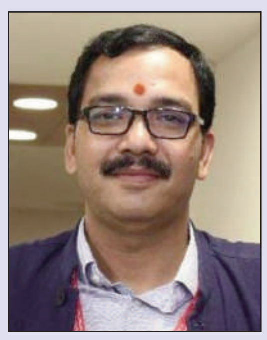

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स.)

संत तुलसीदास ने 'रामचरित मानस' के जरिए सामाजिक जीवन के आदर्श को स्थापित किया है, प्रत्येक स्थिति में सीख देने के लिए प्रभु श्रीराम और उनके इर्द-गिर्द अनेकों लोगों के कई उदाहरण इस ग्रंथ में मौजूद हैं। एक प्रसंग लंका चढ़ाई के समय श्रीराम ने विनयपूर्वक समुद्र से मार्ग देने की गुहार लगाने के संबंध में भी है। लेकिन जब देखा कि समुद्र से आग्रह करते हुए तीन दिन बीत गए, किंतु समुद्र पर कोई प्रभाव नहीं हुआ है, तब भगवान राम ने अपने सामर्थ्य की शक्ति का उपयोग कर दंड के रास्ते की अनिवार्यता को व्यवहार में लाने की ठानी। इस संपूर्ण घटना के बारे में संत तुलसी लिखते हैं-

विनय न मानत जलधि जड़, गए तीनि दिन बीति। बोले राम सकोप तब, भय बिनु होइ न प्रीति।।

'रामचरित मानस' की इस पंक्ति की जो सबसे बड़ी सीख है, वह यही है कि जब अनेक बार आग्रह से काम न बने, तब दंड ही अंतिम विधान है क्योंकि 'भय बिनु होइ न प्रीति।' वस्तुतः मध्य प्रदेश में भी यही स्थिति बनी है और इस बार राज्य के सामने हैं उसके अपने किसान भाई। जिनमें अनेकों किसानों को कई बार समझाने के बाद वे अपनी सुविधा के लिए खेतों में नरवाई जलाने के कृत्य में लगे हुए हैं, जबकि वह भी जानते हैं कि यह कृत्य 'पर्यावरण' की दृष्टि से बेहद नुकसान दायक है। वस्तुतः इस संबंध में एक नया निर्णय राज्य की डॉ. मोहन यादव सरकार ने लिया है। मुख्यमंत्री ने साफ कह दिया है, 'फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने के मामलों में वृद्धि होने से वायु प्रदूषण सहित कई प्रकार से पर्यावरण को बेहद नुकसान हो रहा है। खेत में आग लगाने से जमीन में उपलब्ध पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और भूमि की उर्वरक क्षमता में भी गिरावट आती है। इसके निदान के लिये राज्य सरकार पहले ही नरवाई जलाने को प्रतिबंधित कर चुकी है। इसके बाद भी यदि कोई किसान अपने खेत में नरवाई जलाता है तो उसे 'मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना' का लाभ नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा नरवाई जलाने पर संबंधित किसान से अगले साल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल उपार्जन भी नहीं किया जाएगा।' उन्होंने बताया कि पर्यावरण, मृदा संरक्षण एवं भूमि की उत्पादकता बनाए रखने के मद्देनजर राज्य सरकार का यह निर्णय 01 मई से लागू होगा।

एक तरह से देखा जाए तो इस तरह का सख्त निर्णय लेने की आज बेहद आवश्यकता थी, ताकि जो कृषक पर्यावरणीय नुकसान में जाने-अनजाने भागीदार हो रहे हैं, उसे रोका जा सके। हालांकि यह अच्छी बात है कि राज्य का कृषि क्षेत्र पिछले कई वर्षों से श्रेष्ठ कार्य कर रहा है। पिछले 20 सालों में मध्य प्रदेश के किसानों को जो सुविधाएं राज्य शासन की ओर से मिलीं और दूसरी तरफ कृषकों ने भी राज्य से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाकर कृषि को सामान्य से उन्नत बनाने का जो प्रयास अपने स्तर पर किया है, वह देशभर में आज मिसाल है। यही कारण है कि अब तक 'कृषि कर्मण्ड अवार्ड' जैसे अनेकों कृषि नवाचार एवं अन्य सफलताओं के लिए पुरस्कार मध्य प्रदेश को मिले हैं।

एक संक्षिप्त नजर इस क्षेत्र पर डालें तो मध्य प्रदेश में 45 लाख हेक्टेयर में कृषि सिंचाई की सुविधा है। उद्यानिकी उत्पादों के समग्र रूप से उत्पादन में राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। देश में आज टमाटर, सोयाबीन, गेहूँ, मक्का, प्याज, लहसुन और हरी मिर्च के उत्पादन में राज्य का दूसरा स्थान है। इसी तरह से प्रदेश फूल-फल तथा एरोमेटिक फसलों के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य दुग्ध उत्पादन में तीसरा स्थान रखता है। प्रतिदिन साढ़े पांच लाख किलोग्राम दुग्ध उत्पादन होता है, जो सरप्लस है। देश की 27 प्रतिशत जैविक खेती आज मध्य प्रदेश में हो रही है। प्रदेश में बेहतर वेयरहाउसिंग कैपेसिटी है, 13 लाख मीट्रिक टन से अधिक क्षमता के कोल्ड स्टोरेज हैं।

इसके साथ ही प्रदेश में 25 लाख हेक्टेयर भूमि में उद्यानिकी उत्पाद लिए जा रहे हैं। खाद्य डेरी प्रोसेसिंग यूनिट्स के लिए सकारात्मक उद्योग नीति बनाई गई है। प्रदेश में प्लांट तथा मशीनरी पर 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। कृषि खाद्य एवं डेयरी की सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना के संबंध में अतिरिक्त रूप से शासन द्वारा इंसेंटिव प्रदान किया जाता है। अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए अतिरिक्त तथा निर्यात करने वाली इकाइयों को एडिशनल 12 प्रतिशत इंसेंटिव दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में 15 फूड क्लस्टर बनाए गए हैं। यहां कृषि तथा खाद्य प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार है। अनेक योजनाएं कृषकों से जुड़ीं और खेती को लाभ का धंधा बनाने के उद्देश्य से आज राज्य में चलायी जा रही हैं, जिसका कुल परिणाम यह है कि मध्य प्रदेश विविध कृषि एवं उद्यानिकी गतिविधियों में देश में अग्रणी है।

कहना होगा कि देश के 10 प्रतिशत क्षेत्रफल वाले राज्य मध्य प्रदेश में देश की लगभग सात प्रतिशत आबादी निवास करती है। यहां 11 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों का उत्पादन किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार परिणाम देने वाली नीतियों के माध्यम से प्रगति के नए अध्याय लिख रही है। स्वभाविक है कि कुछ किसानों के द्वारा नरवाई जलाने का कृत्य प्रदेश को आलोचना का शिकार बनाता है और कहीं न कहीं किसानों की मंशा पर प्रश्न भी खड़े करता है कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए संवेनशील नहीं दिखते। स्वभाविक है कि इन परिस्थितियों में राज्य सरकार का यह निर्णय कहीं न कहीं उन किसानों को नरवाई जलाने से अवश्य रोकेगा, जो अब तक जन-जागृति की भाषा समझने को तैयार नहीं दिखे हैं। कम से कम नई व्यवस्था में लाभ से वंचित हो जाने का भय उन्हें अवश्य अपने नागरिक कर्तव्य के प्रति जिम्मेदार बनाएगा, आज इस निर्णय से यही आशा की जानी चाहिए।

वेव्सः वैश्विक प्रभाव हेतु युवा रचनाकारों को प्रोत्साहन और भारत के मीडिया एवं मनोरंजन स्टार्टअप को गति देना

वैश्विक व्यापार शुल्क और शेयर बाजार की अस्थिरता के समक्ष भारत एक उदार अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। अपनी जनसांख्यिकीय और तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, भारत चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित करते हुए स्वयं को वैश्विक 'रचनात्मक शक्ति' के रूप में स्थापित कर सकता है। एक समृद्ध कहानी कहने की परंपरा के साथ, भारत का मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र 'भारत में निर्माण करें, दुनिया के लिए निर्माण करें' दृष्टिकोण के माध्यम से दुनिया भर के रचनाकारों को जोड़ने का लक्ष्य रखता है।

भारत फिल्म, संगीत, कला और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में युवा रचनाकारों की बढ़ती आबादी वाला राष्ट्र है। विशेष रूप से, नमित मल्होत्रा के डीएनईजी ने दृश्य प्रभाव और एनीमेशन स्टूडियो के माध्यम से ड्यून 2 की ऑस्कर अर्जित सफलता में अभूतपूर्व वीएफएक्स का प्रदर्शन किया। यह भारत की 7वीं ऑस्कर सफलता थी जिसने वैश्विक मनोरंजन उद्योग में भारत के बढ़ते प्रभाव को उजागर किया। पारंपरिक फिल्म निर्माण से डिजिटल निर्माण तक की विकास यात्रा विश्व स्तरीय कंटेन्ट बनाने में देश की क्षमता को दशार्ती है।

भारत सरकार के विश्व श्रव्य-दृश्य मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 के अंग, वेव्स एक्सेलरेटर (वेवएक्स) का उद्देश्य युवा रचनाकारों को उद्योग जगत प्रमुखों से जोड़ना और स्टार्टअप विकास को बढ़ावा देना है। मई 2025 में मुंबई में होने वाला वेव्स, संरक्षण, वित्त पोषण और वैश्विक अवसर प्रदान करते हुए भारत के मीडिया और मनोरंजन स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। इस क्षेत्र में वर्ष 2023 के 2,422 बिलियन रूपए से 2027 तक 3,067 बिलियन रूपए तक की वृद्धि होने का अनुमान है, जिसमें गेमिंग, एआई और मेटावर्स जैसे अभिनव क्षेत्र शामिल हैं।

पहचान स्थापित करने की चुनौतियों के बावजूद, वेव्स- ब्रह्मन गेम स्टूडियो, कीबाउंड और वायॉन क्लाउड जैसे स्टार्टअप के लिए वैश्विक निवेशकों के समक्ष अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस पहल में लैपविंग स्टूडियो और वाइगर मीडिया

किरण मजूमदार-शॉ
बायोकॉन समूह की अध्यक्ष

जैसे महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप भी शामिल हैं, जो मीडिया और मनोरंजन इकोसिस्टम के भीतर समावेशिता को बढ़ावा देते हैं।

वेव्स एक ऐसा गतिशील और प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो अंतरराष्ट्रीय सफलता के लिए लॉन्चपैड के रूप में कार्य करेगा। वेवएक्स सीधे पूंजी, सलाह और वैश्विक प्रदर्शन में आने वाली बाधाओं का समाधान उपलब्ध कराते हुए न केवल वित्तीय सहायता प्रदान करेगा बल्कि विकास के लिए एक सुव्यवस्थित इकोसिस्टम भी प्रदान करेगा। मात्र 10,000 रुपये और एक विजन के साथ शुरू किए गए बायोकॉन के बाद, मैं ऐसे प्रेरणादायी प्लेटफार्मों के महत्व को समझती हूं।

रचनात्मक केन्द्र

म्यूज़ियम ऑफ आर्ट एंड फोटोग्राफी (एमएपी) और साइंस गैलरी बेंगलुरु जैसी पहलों के माध्यम से कला के समर्थक के तौर पर, मेरा मानना है कि किसी देश की संस्कृति उसकी कला और विज्ञान दोनों में निहित होती है। कला और विज्ञान दोनों ही रचनात्मकता में निहित हैं; वैज्ञानिक भी प्रयोगशालाओं में उसी तरह प्रयोग करते हैं जैसे कलाकार कैनवास पर करते हैं।

अपने जनसांख्यिकीय लाभ, तकनीकी क्षमताओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के शानदार सामंजस्य के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा भारत रचनात्मकता का एक समृद्ध केंद्र है। भारत में यह समायोजन सिर्फ.दार्शनिक नहीं है अपितु व्यावहारिक भी है, उद्योगों को आकार दे रहा है और मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।

सदियों से चली आ रही कहानी कहने की परंपरा के साथ, भारत एक वैश्विक रचनात्मक शक्ति के रूप में उभरने के मामले में बेहद शानदार स्थिति में है। शास्त्रीय नृत्य से लेकर सिनेमा तक और कॉमिक्स से लेकर इमर्सिव तकनीक तक, हम एक रोमांचक युग में प्रवेश कर रहे हैं जहां रचनात्मकता अत्याधुनिक नवाचार के साथ जुड़ती है। 'भारत में निर्माण करें, दुनिया के लिए निर्माण करें' की अवधारणा इस महत्वाकांक्षा को पूरी तरह से दशार्ती है।

रचनात्मक स्टार्टअप के लिए प्रेरणादायी

वेव्स तकनीक और कहानी कहने की सुंदर समाभिरूपता का उदाहरण है। वेवएक्स एनिमेशन, एआई, एआर/वीआर, गेमिंग और मेटावर्स जैसे अभिनव क्षेत्रों में स्टार्टअप का समर्थन करके इसका लाभ उठाने के लिए तैयार है।

वेव्स बाजार के लिए 4500 से ज्यादा विक्रेता और 5,900 से ज्यादा खरीदार पंजीकृत हैं, इस पहल से भारतीय स्टार्टअप को वैश्विक कंपनियों से जोड़ने का वादा किया गया है, जिससे वैश्विक मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य में भारत के अग्रणी बनने की गति में तेजी आएगी।

वेव्स पारंपरिक मीडिया से आगे जाते हुए नवाचार को भी बढ़ावा देता है। एरुकैनाविस टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियाँ एआई-संचालित विज्ञापनों में अग्रणी हैं, जबकि अमेज स्टूडियो और ऑफलाइन 'मन स्टूडियो एनिमेशन और वीआर के माध्यम से कहानी कहने को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। इनस्केप एक्सआर और विजन इम्पैक्ट जैसे एड-टेक उद्यम इमर्सिव मीडिया के साथ इस क्षेत्र के शिक्षण कौशल को नया रूप दे रहे हैं। साथ में, ये स्टार्टअप भारत के रचनात्मक इकोस्स्टम की विशाल क्षमता और वैश्विक प्रासंगिकता को उजागर करते हैं।

भविष्य के लिए एक अवधारणा

भारत को लंबे समय से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मकता की चिरस्थायी विरासत के तौर पर जाना जाता है।

यह रचनात्मक ऊर्जा हमारे युवाओं में सबसे जीवंत अभिव्यक्ति रखती है और यही आज के निमार्ता और कल के दूरदर्शी भी हैं। फिल्म, संगीत, एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल मीडिया में, युवा भारतीय निमार्ता सीमाओं को नया आकार दे रहे हैं और शैलियों को फिर से परिभाषित कर रहे हैं।

इस क्षमता को पोषित करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता वेव्स जैसी पहलों के लिए इसके समर्थन में स्पष्ट है, जिसे मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में एक गतिशील, अभिनव और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।

आज, वेव्स के माध्यम से, हम न केवल स्टार्टअप में निवेश कर रहे हैं, बल्कि हम कहानी कहने, आत्म-अभिव्यक्ति और रचनात्मक अर्थव्यवस्था में भी निवेश कर रहे हैं जो भविष्य को परिभाषित करेगी। चाहे बायोटेक लैब हो या डिजिटल स्टूडियो, रचनात्मकता वह भाव है जो भविष्य में उद्योगों और पहचानों को एक नया आकार देगी।

वेव्स 2025 भारत के मीडिया और मनोरंजन उद्योग का उत्सव मात्र नहीं है; यह अगली पीढ़ी के रचनाकारों और उद्यमियों के लिए एक लॉन्चपैड भी है जो मनोरंजन, शिक्षा और संस्कृति के उपयोग के तरीके को परिवर्तित करने के लिए तैयार हैं।

वेव्स के सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में, मुझे इस परिवर्तनकारी यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है। इस पहल का प्रभाव स्टूडियो और बोर्डरूम से कहीं आगे तक जाएगा और यह हर कहानी, हर स्टार्टअप और हर उस नवाचार में गुंजन उत्पन्न करेगा जो परंपरा को चुनौती देता है।

वैश्विक रचनात्मक क्रांति का नेतृत्व करने के लिए भारत तैयार है। आइए हम 'भारत में निर्माण करें, दुनिया के लिए निर्माण करें' और दुनिया को अपनी कल्पना की असीम शक्ति दिखाएं।

'युद्ध नशे के विरुद्ध' के तहत नशा मुक्त गांव को मिलेगा 1 लाख रुपये का नकद इनाम: सौंद

सर्वसम्मति वाली पंचायतों को चेक देने के लिए इस वर्ष 135 करोड़ रुपये रखे गए

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पंचायतों के लिए और गांवों के विकास के लिए अनूठी और बड़ी पहलें शुरू की हैं। स्थानीय पंजाब भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सर्वसम्मति से चुनी गई पंचायतों को चेक देने के लिए कुल 150 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। 15 करोड़ रुपये पिछले वित्तीय वर्ष में रखे गए थे और मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए 135 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले साल पंचायती चुनावों के दौरान पंजाब में सर्वसम्मति से 3044 ग्राम पंचायतें चुनी गई हैं। सर्वसम्मति से बनी

सरपंचों को मासिक मानदेय देने के लिए 31.70 करोड़ रुपये सालाना खर्च किए जाएंगे

पंचायतों को आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए ऐलान के मुताबिक 5-5 लाख रुपये के चेक देने शुरू कर दिए गए हैं और बीते कल पंचायत दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ने 5 पंचायतों को यह चेक खुद सौंपे।

सौंद ने बताया कि पंजाब के सरपंचों को आम आदमी पार्टी की सरकार ने मानदेय में पिछली बार की तुलना में 67 फीसदी की वृद्धि करके 2000 रुपये प्रति महीना देने का ऐलान भी किया है। इससे सरकारी खजाने से प्रति वर्ष सरपंचों को 31.70 करोड़ रुपये का मानदेय दिया जाएगा। राज्य में कुल 13236 सरपंच

हैं। उन्होंने कहा कि 2006 में सरपंचों को 600 रुपये महीना मानदेय देना शुरू किया गया था जिसे 2012 में बढ़ाकर 1200 रुपये किया गया लेकिन यह कभी भी लगातार नहीं दिया गया। अब आम आदमी पार्टी की सरकार मानदेय को बिना किसी रुकावट के देना जारी रखेगी।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री

सरकार और पंचायतों के बीच बेहतर तालमेल के लिए एक सलाहकार बोर्ड के गठन की घोषणा

भगवंत सिंह मान ने युद्ध नशे के विरुद्ध मुहिम के तहत पंजाब के प्रत्येक ब्लॉक में से एक नशा मुक्त गांव को 1 लाख रुपये का नकद इनाम देने का अहम ऐलान किया है। यह इनाम अपनी तरह का पहला ऐसा इनाम है जो किसी राज्य की सरकार ने शुरू किया है। पंजाब में कुल 154 ब्लॉक हैं। सौंद ने कहा कि पिछली सरकारों ने गांवों के विकास के लिए कोई पहल नहीं की। 1993 में पंचायत दिवस की स्थापना के बाद पहली बार पंजाब में पंचायत दिवस आम आदमी पार्टी की सरकार ने मनाया। उन्होंने बताया कि समारोह में 23 जिलों में से 700 से ज्यादा पंच सरपंच आए। इस मौके पर कुल 35 सम्मान दिए गए। जिसमें 10 सरपंच, 15 सेल्फ हेल्प ग्रुप और बढ़िया काम करने वाले 10 पंचायत सचिव शामिल थे।

उन्होंने बताया कि एक और अहम फैसला लेते हुए मुख्यमंत्री ने कल ही ऐलान किया है कि सरकार और पंचायती राज संस्थाओं के बीच बेहतर तालमेल के लिए एक सलाहकार बोर्ड का गठन भी किया जाएगा, जिसमें 3 सदस्य जिला परिषदों में से, 5 सदस्य ब्लॉक समितियों में से और प्रत्येक जिले से 2 सरपंच (कुल 46 सरपंच) लिए जाएंगे। सौंद ने कहा कि गांवों के विकास के लिए इस साल पंजाब सरकार द्वारा रखे 4573 करोड़ रुपये के बजट से राज्य के गांवों की दशा और दिशा सुधारने के लिए सहृदय प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

पंजाब सरकार की स्मार्ट आंगनवाड़ी बनाने की पहल, वर्करों और हेल्परों को मिलेंगे स्मार्ट फोन

संवाददाता
चंडीगढ़

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने घोषणा की कि पंजाब सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को जल्द ही स्मार्ट फोन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे अपने दैनिक कार्यों को और अधिक सुचारू और आधुनिक तरीके से निभा सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की जायज मांगों को संवेदनशीलता से सुनकर उनके समाधान के लिए गंभीर प्रयास कर रही है।

पंजाब भवन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के साथ हुई बैठक के दौरान डॉ. बलजीत कौर ने उनकी समस्याओं को ध्यान से सुना और आश्वासन दिया कि जिन मांगों को विभाग स्तर पर तुरंत हल किया जा सकता है, उन्हें तुरंत निपटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन मांगों को राज्य सरकार स्तर पर निर्णय लेकर हल करवाया जा सकता है, उनके बारे में विभाग द्वारा पूर्ण प्रस्ताव तैयार करके मुख्यमंत्री जी को भेजा जाएगा, ताकि अगले स्तर पर भी जल्दी कार्रवाई हो सके।

उन्होंने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के कामकाज को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्मार्ट फोन की मांग को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। ये फोन उन्हें नए जमाने की तकनीकी सुविधाओं से जोड़कर सरकारी योजनाओं की पहुंच जमीनी स्तर तक सुनिश्चित करने में मददगार साबित होंगे।

डॉ. बलजीत कौर ने यह भी बताया कि सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के स्वास्थ्य की देखभाल पर भी बराबर ध्यान दे रही है। इसी संदर्भ में विभाग द्वारा पहले ही सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ई के वाई सी करवाने का अभियान शुरू किया गया था, जो उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अंत में, डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार अपने हर कार्यकर्ता के अधिकारों की पूरी रक्षा कर रही है और भविष्य में भी उनकी भलाई के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार आने वाले दिनों में भी कार्यकर्ताओं की मांगों और सुझावों को संवेदनशीलता से सुनकर, लोक-कल्याण के लिए नए कदम उठाती रहेगी।

बीएसएफ ने भारत-पाक सीमावर्ती गांवों में चलाया सर्च आपरेशन

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बीएसएफ भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे इलाकों में सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में बीएसएफ ने पंजाब के सीमावर्ती जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में नाकाबंदी करके सर्च आपरेशन चलाया है। साथ ही अपनी क्विक रिएक्शन टीमों को सक्रिय कर दिया है।

पंजाब के अमृतसर, तरनतारन, गुरदासपुर, फाजिल्का, पठानकोट व फिरोजपुर आदि जिलों में बहुत से गांव ऐसे हैं, जहां के किसानों की आधी जमीनें पाकिस्तान में और आधी भारत के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। बीएसएफ ने इलाके में अतिरिक्त जवानों की तैनाती करने के साथ ही साथ-साथ सीमा से सटे गांवों में भी पेट्रोलिंग और तलाशी अभियानों को बढ़ाया गया है। संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट देने के लिए स्थानीय ग्रामीणों को भी अलर्ट रहने की अपील की गई है। बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर अपनी क्विक रिएक्शन टीमों को सक्रिय कर दिया है। यह टीमें 24 घंटे गश्त के साथ-साथ किसी भी संदिग्ध हलचल का तत्काल जवाब देने के लिए तैनात की गई हैं। बीएसएफ के साथ पंजाब पुलिस भी अपने स्तर पर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर रही है। संवेदनशील जगहों पर नाके, चेकिंग अभियान और संदिग्ध लोगों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पंजाब स्टेट फूड कमिशन के सदस्य द्वारा स्कूलों की अचानक चेकिंग

मिड-डे -मील योजना को उचित ढंग से लागू करने के निर्देश

संवाददाता
जालंधर

पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य चेतन प्रकाश धालीवाल ने वीरवार को जिले के विभिन्न स्कूलों का अचानक दौरा किया तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत चलाई जा रही योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान फिल्लौर के सरकारी प्राइमरी स्कूल (लड़के), सरकारी प्राइमरी स्कूल (लड़कियां), स्कूल ऑफ एमिनेंस और आंगनवाड़ी केंद्र में चल रही मिड-डे मील स्कीम की जांच की गई। इसके अलावा मिड-डे मील और खाद्य भंडारण सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया।

स्कूलों में कमियां सामने आने पर चेतन प्रकाश धालीवाल ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक्ट की अनुपालना

सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई उल्लंघन पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में मिड-डे मील योजना को उचित ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र कोड नंबर 122 व 125 फिल्लौर की जांच की। केन्द्रों पर लाभार्थियों एवं उन्हें दिए जाने वाले लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त की। चेकिंग के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में लाभार्थियों को दिए जाने वाले सामान को पहले ही लाभार्थियों को बांटा जा चुका था। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी के रिकार्ड की भी जांच की गई। उन्होंने जिला प्रोग्राम अधिकारी को आंगनबाड़ी कार्यकताओं द्वारा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरे के दौरान पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य द्वारा लाभपात्रियों को आयोग के हेल्पलाइन नंबर 9876764545 तथा ई-मेल punjabfoodcommission@gmail.com के बारे में भी जानकारी दी गई तथा यह भी बताया गया कि वे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत चलाई जा रही योजनाओं संबंधी जिले के अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) के पास भी शिकायत दर्ज करवा सकते है।

आस्ट्रेलिया में पटियाला के नौजवान की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़। आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स शहर में पार्किंग को लेकर हुए झगड़े में पटियाला के एक नौजवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक छात्र के परिजनों ने पंजाब सरकार के माध्यम से केन्द्र सरकार से शव को भारत लाने का आग्रह किया है। पटियाला के राजपुरा शहर के गुलाब नगर कॉलोनी के रहने वाले अमरिंदर सिंह साहनी कुछ साल पहले अपने परिवार के साथ आस्ट्रेलिया गए थे। गुरुवार को अमरिंदर सिंह साहनी का बेटा एकम सिंह साहनी (18) आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स शहर में एक पार्किंग स्थल के बीच में उनका बेटा एकम सिंह जब पढ़ाई कर रहा था, तो वहां मौजूद युवकों से उसकी कहासुनी हो गई और युवकों ने एकम सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी तथा उसकी कार में भी आग लगा दी। गोली लगने से उसकी एकम सिंह की कुछ देर बाद मौत हो गई। परिवार को जब से बेटे की मौत का पता चला है, तब से परिवार सदमे में है। मामले में ऑस्ट्रेलिया पुलिस जांच कर रही है। एकम के परिजनों ने केन्द्र सरकार से गुहार लगाई है कि उसके शव को भारत लाने में मदद करे।

संक्षिप्त-समाचार

लुधियाना में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने काली पट्टी बांधकर अदा की नमाज

चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में शुक्रवार को पहलगाम हमले के विरोध में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने काली पट्टी बांधकर जुम्मे की नमाज अदा की। शाही इमाम के ऐलान के बाद आज लुधियाना में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में रोष व्यक्त किया। पंजाब के शाही इमाम मोहल्ला उस्मान लुधियानवी ने शुक्रवार की अल सुबह एक संदेश जारी करके आज नमाज के दौरान काली पट्टी बांधने की अपील की थी। दो दिन पहले मुस्लिम समुदाय ने जामा मस्जिद के बाहर आतंकवाद का पुतला भी फूंका था। साथ ही पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे भी लगाए थे। पंजाब के मुस्लिम समुदाय के लोग आतंकी घटना की कड़ी निंदा कर रहे हैं और मृतकों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री की ओर से सिंह साहिब ज्ञानी रघबीर सिंह के साथ दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह के साथ दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार एयर इंडिया के कर्मचारियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की मांग की। यहां जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह के साथ बदसलूकी की घटना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया के स्टाफ का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार अनुचित है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सिंह साहिब पंजाब और विशेष रूप से सिख समुदाय की अत्यंत सम्मानित शख्सियत हैं और उनके साथ इस तरह का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने प्रत्येक सिख के मन को गहरी ठेस पहुंचाई है और उनकी भावनाओं को चोट पहुंचाई है। उन्होंने भारत सरकार से एयर इंडिया के जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ उदाहरणात्मक कार्रवाई करने की अपील की ताकि दूसरों को सबक मिल सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए, क्योंकि यह मामला सीधे तौर पर विश्व भर के समस्त सिख समुदाय की भावनाओं से जुड़ा हुआ है।

पंजाब को एक और बड़ी सफलता हासिल हाइडल प्रोजेक्टों में रिकॉर्ड तोड़ बिजली उत्पादन

चंडीगढ़। पंजाब के पन-बिजली क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए हैं, जिससे बिजली उत्पादन संबंधी अनेक नए मानदंड स्थापित किए गए हैं। बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने आज यहां बताया कि पंजाब राज्य पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) के अधीन तीन बड़े पन-बिजली प्रोजेक्टों ने अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ-साथ पिछले तीन वर्षों में अपना सबसे अधिक उत्पादन भी दर्ज किया है। जोगिंदर नगर में स्थापित शानन पावर हाउस में 512.656 मिलियन यूनिट (एम.यू.) बिजली उत्पादन के साथ बेमिसाल उपलब्धि हासिल की गई है, जो कि इसके वार्षिक लक्ष्य 480 एम.यू. से 6.80 प्रतिशत अधिक है। सुचारू संचालन, अनुकूल हाइड्रोलॉजिकल स्थितियों और समय पर रखरखाव के अभ्यासों के कारण यह बेमिसाल उपलब्धि हासिल हो सकी। इसी तरह आनंदपुर साहिब हाइडल प्रोजेक्ट (एएसएचपी) में 486.14 एम.यू. बिजली उत्पादन किया गया, जो कि इसके 470 एम.यू. के लक्ष्य से 3.43 प्रतिशत अधिक है। मुकेरियां हाइडल प्रोजेक्ट, जो कि क्षमता के मामले में तीनों में सबसे बड़ा है, में 1326.81 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन दर्ज किया गया, जो कि इसके 1110 मिलियन यूनिट के वार्षिक लक्ष्य से 19.53 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक उत्पादन है और पंजाब के पन-बिजली बुनियादी ढांचे की कुशलता और मजबूती को दर्शाता है। बिजली मंत्री हरभजन सिंह ने बताया कि 2024-25 के दौरान हमारे हाइडल प्रोजेक्टों का शानदार प्रदर्शन टिकाऊ और कुशल ऊर्जा उत्पादन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ये आंकड़े ऊर्जा उत्पादन के न केवल आंतरिक मानदंडों को पार करते हैं बल्कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को भी पार करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह प्राप्ति हमारे इंजीनियरों, तकनीकी स्टाफ और प्रबंधन टीमों के अथक प्रयासों का प्रमाण है जिन्होंने उत्पादन क्षमता बढ़ाने और संसाधनों को अनुकूलित करने के लिए अथक मेहनत की है।

स्कूलों और आंगनवाडियों में फल, सब्जियां और हर्बल पौधों पर आधारित बाग लगाए जाएं: शर्मा

नई दिल्ली/चंडीगढ़। मौसम परिवर्तन के कारण खाद्य सुरक्षा पर होने वाले असर के बारे में देश की राजधानी नई दिल्ली के डॉक्टर अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में पंजाब राज्य खाद्य आयोग के चेयरमैन श्री बाल मुकुंद शर्मा ने भाग लिया। इस सेमिनार को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि मौसम परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन के कारण जल संकट पैदा हो रहा है क्योंकि पृथ्वी का तापमान तेजी से बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार जल स्रोतों और मौसम को बचाने के लिए कई कदम उठा रही है, जिसके तहत टिकाऊ खेती, विविधीकरण और कम पानी की खपत वाली फसलों की बुवाई को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पूरे देश का पेट भरने के लिए पंजाब ने अपने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके बहुत कष्ट भोगा है, खासकर धान की खेती से भूजल स्तर, मिट्टी के स्वास्थ्य के अलावा ग्रीन गैसों और कार्बन की अधिक उपज के माध्यम से पर्यावरण का काफी नुकसान झेला है।

हलका जंडियाला गुरु में रु 27.18 करोड़ के विकास कार्यों को जल्द पूरा किया जाएगा: ई.टी.ओ.

संवाददाता
चंडीगढ़

कैबिनेट मंत्री स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज हलका जंडियाला गुरु में विकास कार्यों को और गति देने के लिए पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में मनीष कुमार आई.ए.एस., निदेशक तकनीकी शिक्षा, हतिंदर कौर, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं पंजाब, विपिन बंसल, मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। बैठक के दौरान सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने हलका जंडियाला गुरु में 8.63 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे 30 बिस्तरों वाले अस्पताल, 14.97 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे नए सरकारी बहु-तकनीकी कॉलेज और 3.58 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे सब-तहसील सहित पटवारखाने के निर्माण के बारे में संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आम जनता के लिए महत्व वाले इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए इनके निर्माण और संचालन में आ रही कठिनाइयों को जल्द से जल्द हल करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार हलका जंडियाला गुरु को पूरी तरह से विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार काम कर रही है।

पंजाब के कालेजों में स्थानीय व कश्मीरी छात्रों में झड़प

चंडीगढ़। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पंजाब में कश्मीरी छात्रों के साथ मारपीट करने की घटनाएं सामने आई हैं। जम्मू-कश्मीर के अधिकतर विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के मोहाली तथा पटियाला जिलों के कालेजों में आते हैं। मोहाली के खरड़ व डेराबस्सी इलाकों में घटनाओं के बाद कश्मीरी छात्रों वाले कॉलेजों के बाहर पीसीआर तैनात की गई है। गुरुवार की रात मोहाली के खरड़ इलाके में कुछ स्थानीय छात्रों और कश्मीरी छात्रों के बीच झड़प हुई है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने कश्मीरी छात्रों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। एनएसयूआई पंजाब के अध्यक्ष ईशरप्रीत सिंह ने शुक्रवार को कश्मीरी छात्रों से मुलाकात के बाद बताया कि कश्मीर से यहां पढ़ाई के लिए आई हुई छात्राओं ने उन्हें बताया कि पहलगाम घटना के बाद स्थानीय लोग उसके साथ गाली-गलौज कर रहे हैं। जैसे ही वह अपने कमरे में पहुंची, स्थानीय लोगों ने उसका दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया।

स्वदेश लौटने के लिए अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिकों का हंगामा

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर किए जाने के आदेश के बाद शुक्रवार को दूसरे दिन अटारी बॉर्डर पर दिनभर गहमा-गहमी का माहौल बना रहा। यहां पाकिस्तानी नागरिकों ने अपने देश में वापस जाने के लिए काफी हंगामा किया। जांच के दौरान पता चला कि कईयों की वीजा अवधि भी समाप्त हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद वह भारत में रूके हुए थे। ऐसे पाकिस्तानी नागरिक शुक्रवार को जब अटारी बॉर्डर पर पहुंचे तो बीएसएफ व कस्टम अधिकारियों ने इनको रोक लिया।

अटारी बॉर्डर पर आज करीब एक दर्जन ऐसी महिलाएं पहुंची, जिनका मायका भारत में है और शादी पाकिस्तान में हुई है, लेकिन उन्हें पाकिस्तान की नागरिकता नहीं मिली है। आदेश हैं कि भारतीय पासपोर्ट वालों को पाकिस्तान ना जाने दिया जाए। राजस्थान के जोधपुर की रहने वाली अफसीन जहांगीर की शादी कराची में हुई थी। बच्चे पाकिस्तानी नागरिक हैं, इसलिए उन्हें तो बॉर्डर पार कर जाने दिया गया, लेकिन अफसीन को रोक दिया गया।

दिल्ली की अरूदा की शादी बीस साल पहले पाकिस्तान में हुई थी। उनके दो बच्चे हैं, जो पाकिस्तानी नागरिक हैं। अरूदा के पति उनको लेने के लिए आज लाहौर से बाघा बॉर्डर आए थे। उन्होंने बताया कि उनकी बीवी एक महीने के लिए अपने मां-बाप से मिलने भारत आई थी। 27 तारीख की वापसी का टिकट था, लेकिन हालात देखकर चार दिन पहले ही निकलने की कोशिश की, लेकिन आज बॉर्डर पर रोक दिया गया।

कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा लगातार दूसरे दिन कर्मचारी संगठनों के साथ बैठकें

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा और प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल की सहभागिता वाली कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा आज लगातार दूसरे दिन कर्मचारी यूनियनों के साथ उनकी जायज मांगों और मुद्दों के समाधान के लिए सिलसिलेवार बैठकें की गईं।

वित्त मंत्री कार्यालय में हुई इन बैठकों के दौरान पंजाब मुलाजम और पेंशनर्स ज्वाइंट फ्रंट, एसोसिएट प्री-प्राइमरी टीचर्स यूनियन, कंप्यूटर टीचर्स संघर्ष कमेटी और '10 साल की सेवा पूरी कर चुके अध्यापकों की यूनियन' के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगें और मुद्दे पेश किए। कैबिनेट मंत्रियों ने संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया और यूनियन नेताओं को उनकी मांगों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। कैबिनेट सब-कमेटी ने यूनियन नेताओं को भरोसा दिलाया कि उनकी जायज मांगों पर कार्रवाई पहले से ही चल रही है, और कार्मिक, वित्त तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मिलकर इन संबंध में योग्य समाधान ढूंढने के लिए काम कर रहे हैं। सब-कमेटी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी निर्देश दिया कि वे अपने विभागों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अहम मुद्दों पर तुरंत कार्रवाई को प्राथमिकता दें।

आज की बैठकों के दौरान पंजाब मुलाजम और पेंशनर्स सांझा फ्रंट की ओर से जर्मनजीत सिंह, सविंदरपाल सिंह, रंजीत सिंह, गगनदीप सिंह भुल्लर, सुखदेव सिंह सैनी और बाज सिंह खैरा, एसोसिएट प्री-प्राइमरी अध्यापक यूनियन की ओर से हरप्रीत कौर, दर्शन सिंह और दविंदर सिंह, कंप्यूटर अध्यापक संघर्ष कमेटी की ओर से हरजीत सिंह संधू, हरप्रीत सिंह और '10 साल की सर्विस पूरी कर चुके अध्यापक यूनियन' की ओर से जसपाल सिंह, गौरव, ममता रानी और सुरजीत कौर तथा उनके यूनियन साथी हाजिर थे।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने यह मॉडल ऑस्ट्रेलिया में अपनाने में दिखाई दिलचस्पी

पंजाब के 'आम आदमी क्लीनिक' मॉडल को विश्व स्तर पर मिली प्रशंसा

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को और मजबूत करने और कायाकल्प करने की दिशा में एक और बुलंदी हासिल करते हुए आम आदमी क्लीनिकों (एएसी) को तब विश्व स्तर पर मान्यता हासिल हुई जब उच्च स्तरीय 14 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मॉडल को अपनाने में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

मेंबर ऑफ पार्लियामेंट (एमपी) स्टेट ऑफ विक्टोरिया डायलोन व्हाइट (प्रतिनिधिमंडल के नेता) और एमपी स्टेट ऑफ विक्टोरिया मैथ्यू हिलाकरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आज मोहाली में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा- आम आदमी क्लीनिक और तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सुविधा - पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलीअरी साइंसेज (पीआईएलबीएस) का दौरा किया।

इसके उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के साथ बैठक की जहां उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल और कृषि के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया। बैठक में प्रशासनिक सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कुमार राहुल, विशेष सचिव कृषि बलदीप कौर और निदेशक पीआईएलबीएस डॉ. वरिंदर सिंह भी उपस्थित थे।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधि आम आदमी क्लीनिक, जो लोगों को उनके घरों के पास 80 आवश्यक दवाएं और 38 डायग्नोस्टिक्स सहित मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, के मॉडल से बहुत प्रभावित हुए।

इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने लोगों को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा, ₹प्रतिनिधिमंडल यह देखकर हैरान रह गया कि सुबह 11 बजे तक, 60 से अधिक मरीज पहले ही आम आदमी क्लीनिक में सेवाएं प्राप्त कर चुके थे। वे इतने प्रभावित हुए कि वे इस मॉडल को ऑस्ट्रेलिया में अपनाना चाहते हैं, क्योंकि उनका मानना था कि यह मॉडल उनकी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को बहुत लाभ पहुंचा सकता है।₹

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने मरीजों को किफायती और उन्नत इलाज मुहैया कराने के लिए पंजाब की तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सुविधा पीआईएलबीएस की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के स्वास्थ्य देखभाल सुधारों, खासकर चिकित्सा सेवाओं की कुशल डिलीवरी से शिक्षा लेने में दिलचस्पी दिखाई।

इस दौरान कृषि और पर्यावरण स्थिरता पर भी विचार-विमर्श हुआ जिसमें दोनों पक्षों ने संभावित सहयोग की पड़ताल की। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, ₹ऑस्ट्रेलिया में मौसमी स्थितियां और फसल चक्र पंजाब के समान हैं। उन्होंने हमारे मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी आदि) और जैविक खेती के अभ्यासों में बहुत दिलचस्पी दिखाई।

लुधियाना पश्चिम के उपचुनाव में 'आप' उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत तय : बरसट

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप), पंजाब के राज्य महासचिव और पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट ने दावा किया है कि विधान सभा क्षेत्र लुधियाना पश्चिम के उपचुनाव में 'आप' के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा (राज्यसभा मेंबर) की जीत तय है। उन्होंने कहा कि लोगों से मिल रहा साथ इस बात का प्रमाण है कि जनता आम आदमी पार्टी के कामों से बहुत खुश है। उन्होंने कहा कि 'आप' उम्मीदवार संजीव अरोड़ा सूझवान और ईमानदार व्यक्ति हैं, जिनमें लीडरशिप के सभी गुण मौजूद हैं। वह समाज के हर वर्ग से जुड़े हुए हैं और लोक भलाई व समाज सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। संजीव अरोड़ा राज्यसभा सदस्य के तौर पर भी लगातार लुधियाना और पंजाब वासियों के लिये आवाज उठाते आये हैं। उन्होंने कहा कि संजीव अरोड़ा के प्रति लोगों के प्यार और विश्वास को देखते हुए यह यकीन हो गया है कि इस उपचुनाव में आम आदमी पार्टी बड़े अन्तर से जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने अपने 3 साल के कार्यकाल में लोक भलाई के कार्यों को ही पहल दी है।

मदरसों को मान्यता देने के लिए कड़ाई से नियमों का हो पालनः मुख्यमंत्री

हर एक विद्यार्थी का भविष्य उज्ज्वल हो, यह सरकार की प्राथमिकताः सीएम योगी

मदरसा शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की जरूरत को लेकर अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक की अध्यक्षता में विशेष समिति गठित

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मदरसा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधारों की आवश्यकता जताई है। शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की मदरसा शिक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मदरसा, महज मजहबी शिक्षा के केंद्र बनकर न रह जाएं। वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के सभी आयामों का लाभ मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मदरसा शिक्षा को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक बनाया जाना चाहिए। हर एक विद्यार्थी का भविष्य उज्ज्वल हो, यह सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का उद्देश्य केवल सुधार नहीं, बल्कि नवाचार और समावेशिता के माध्यम से मदरसा शिक्षा को मुख्यधारा में लाना है, जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और समुचित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा बोर्ड की कामिल (स्नातक) व फाजिल (परास्नातक) स्तर की डिग्रियों को असंवैधानिक घोषित कर दिये जाने से चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। इसी प्रकार, मान्यता के मानक एवं शर्तों को शिक्षा विभाग के स्कूलों के समरूप बनाने तथा नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मदरसों के पाठ्यक्रम में बदलाव और पाठयक्रम के अनुरूप शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मियों की अर्हता में परिवर्तन आवश्यक है। यही नहीं, शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को भी निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की जरूरत है। वर्तमान व्यवस्था में मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी पुनरीक्षण की आवश्यकता है। ऐसे में उ.प्र. अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए, जिसमें बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, वित्त, न्याय एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के विशेष सचिव सदस्य हों। यह समिति मदरसों के सुचारू संचालन और शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक बदलावों पर अपनी संस्तुति देगी।

फोटोः हि.स.

इससे पहले बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग ने एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण के माध्यम से मदरसों की वर्तमान स्थिति, प्रमुख चुनौतियां तथा भावी कार्ययोजना पर विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश में वर्तमान समय में कुल 13,329 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हैं, जिनमें 12,35,400 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इन मदरसों में 9,979 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 8) तथा 3,350 माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर (कक्षा 9 से 12) के हैं। इनमें से 561 मदरसे राज्य सरकार से अनुदानित हैं, जिनमें कुल 2,31,806 छात्र पंजीकृत हैं। अनुदानित मदरसों में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमशः 9889 और 8367 है। इन कर्मियों को सातवें वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुसार 1 जनवरी 2016 से वेतन और भत्ते प्राप्त हो रहे हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मदरसा पोर्टल की शुरूआत अगस्त 2017 में की गई थी, जिससे मदरसा शिक्षा परिषद की समस्त कार्यप्रणाली ऑनलाइन हो गई है। इस पोर्टल पर कुल 19,123 मदरसों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 13,329 सत्यापित होकर लॉक हो चुके हैं। पोर्टल के माध्यम से परीक्षाएं, प्रमाणपत्र, वेरिफिकेशन, यू-डाइस कोड से एकीकरण आदि की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

छत्तीसगढ़ में बिजली की रिकॉर्ड तोड़ खपत, अप्रैल माह में बिजली की जरूरत 6800 मेगावाट के पार

एजेंसी (हि.स.)

रायपुर

छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की खपत और मांग बढ़ गई है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विभाग के लोड डिस्पैच सिस्टम द्वारा पीक टाइम में से रियल टाइम डिमांड के जारी आंकड़े के अनुसार इस वर्ष अप्रैल माह में ही प्रदेश में बिजली की जरूरत रिकॉर्ड 6800 मेगावॉट के पार पहुंच गई है। छत्तीसगढ़ बिजली वितरण कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर ने कहा की प्रदेश में बिजली की खपत अप्रैल में अधिकतम 6800 मेगावॉट तक पहुंची है। पिछले वर्ष इसी समय बिजली की खपत 6300 मेगावॉट के आसपास बनी हुई थी।

विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं विद्युत नियामक बोर्ड के पूर्व सचिव रह चुके सेवा निवृत मुख्य अभियंता पी एन सिंह के अनुसार प्रदेश में औद्योगीकरण के साथ-साथ रबी फसल में धान की बोआई कारण बिजली की मांग बढ़ते जा रही है। छत्तीसगढ़ के जिलों में किसानों ने गर्मी में धान की फसल लगाई है. किसान बिजली के पंप से सिंचाई कर रहे हैं,इसका असर भी बिजली की मांग पर पड़ा है।

फोटोः हि.स.

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण का अनुमान है कि वर्ष 2026-27 तक राज्य सरकार को अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, रोजाना 7661 मेगावॉट बिजली की जरूरत होगी। वर्ष 2016-17 में छत्तीसगढ़ को अपनी बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए 3875 मेगावॉट बिजली की आवश्यकता पड़ती थी। जो पांच साल बाद 2021-22 तक बढ़कर 5019 मेगावॉट हो गई। पांच वर्षों में बिजली की खपत में 1144 मेगावॉट की बढ़ोतरी हुई है। वितरण कंपनी ने आपूर्ति बनाए रखने के लिए कंपनियों से जो अनुबंध किया है उसके तहत बिजली मिल रही है और इसकी आपूर्ति प्रदेश में की जा रही है।राज्य में बिजली वितरण का काम 'छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड' करती है। इसके अलावा, ऊर्जा उत्पादन के लिए जिंदल पावर, सारडा एनर्जी, एनटीपीसी और अडानी पावर जैसी कंपनियां भी काम कर रही हैं।

उल्लेखनीय हो कि मार्च माह में रायपुर में हुए 'छत्तीसगढ़ एनर्जी इन्वेस्टर्स समिट' में कई बड़ी कंपनियों ने 3 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश का ऐलान किया है। इस निवेश से राज्य में परमाणु, थर्मल, सौर और पंप्ड स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में बिजली उत्पादन के नए प्रोजेक्ट शुरू होंगे। इससे न केवल उद्योगों को फायदा मिलेगा, बल्कि आम लोगों को भी सस्ती और निरंतर बिजली मिल सकेगी।

वर्जीनिया में एयरशो से पहले विमान क्रैश, पायलट रॉब हॉलैंड की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

हैम्पटन

वर्जीनिया के लैंगली एयर फोर्स बेस पर गुरुवार को विमान क्रैश होने से एयरोबैटिक पायलट रॉब हॉलैंड की मौत हो गई।वह इस सप्ताहांत एयरशो में हिस्सा लेने वाले थे। रॉब हॉलैंड के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई है। एबीसी न्यूज के अनुसार, इंस्टाग्राम अकाउंट पोस्ट में लिखा गया, " रॉब हॉलैंड विमानन इतिहास में सबसे सम्मानित और प्रेरणादायक एरोबैटिक पायलटों में से एक थे। वह विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका एकमात्र लक्ष्य बस कल की तुलना में और बेहतर करना था।"

संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, दुर्घटना गुरुवार दोपहर से कुछ पहले हुई। वन सीटर प्रायोगिक एमएक्स एयरक्राफ्ट एमएक्सएस उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब रॉब बेस पर उतरने का प्रयास कर रहे थे। हादसे की जांच की जा रही है। हॉलैंड को शनिवार और रविवार को बेस पर होने वाले एयर पावर ओवर हैम्पटन रोड्स एयरशो में हिस्सा लेना था। हॉलैंड की वेबसाइट के अनुसार, वह 13 बार यूएस नेशनल एरोबैटिक चैंपियन रहे।

कोरबा में 43 बच्चों सहित 51 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार, अस्पताल में भर्ती

कोरबा। छत्तीसगढ़ के ऊर्जाधानी कोरबा जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है, जसमें कोरबा ब्लॉक के उरगा थाना क्षेत्र के भैंसमा गांव के पहरी पारा में आयोजित एक विवाह समारोह में फूड प्वाइजनिंग की घटना से हड़-कंप मच गया। पॉलिथीन में पैक सेव बूंदी खाने के बाद 43 बच्चे और 8 बड़े उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद देर रात मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराए गए। डॉक्टरों की टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्काल उपचार शुरू किया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सभी का उपचार जारी है। डीन डॉ. के.के. सहारे ने जानकारी दी कि सभी मरीज अब खतरे से बाहर हैं और 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का समेत पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। ग्रामीणों ने बताया कि विवाह कार्यक्रम में वितरित सेव बूंदी का स्वाद अजीब था, खाने के कुछ देर बाद ही तबीयत बिगड़ने लगी। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पहलगाम नरसंहार के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : केंद्रीयमंत्री सुकांत मजूमदार

आईबी अधिकारी मनीष रंजन मिश्रा की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए पश्चिम बंगाल के आईबी अधिकारी मनीष रंजन मिश्रा की अंतिम यात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी है।उन्होंने कहा कि इस नृशंस हत्याकांड के पीछे जो भी आतंकवादी और उनके सरगना शामिल हैं, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।मनीष मिश्रा उन तीन पर्यटकों में शामिल हैं, जिनकी मंगलवार को आतंकियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। गुरुवार सुबह उनका पार्थिव शरीर रांची एयरपोर्ट लाया गया, जहां से उनकी पत्नी शव लेकर पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला स्थित झलदा के लिए रवाना हुईं।

फोटोः हि.स.

झलदा मिश्रा का पैतृक निवास स्थान है, जहां उनका जन्म और स्कूली जीवन बीता था।जब उनका पार्थिव शरीर झालदा पहुंचा, तो पूरे नगर के लोग सड़कों पर उतर आए और शव वाहन के पीछे चलने लगे।स्थानीय लोगों ने गुरुवार को मनीष मिश्रा की याद में सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटे का बंद भी रखा।झलदा में आयोजित अंतिम यात्रा में सुकांत मजूमदार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा, पहलगाम में जो हुआ वह अत्यंत भयावह था। मैं उस समय संयोगवश पुरुलिया में ही था, इसलिए इस बहादुर सपूत को श्रद्धांजलि देने आया।पूरे देश को यह जानना चाहिए कि पर्यटकों को चुन-चुन कर मारा गया। मनीष मिश्रा की हत्या इसलिए कर दी गई क्योंकि वे 'कलमा' नहीं पढ़ सके।इसके बावजूद कुछ नेता आज भी कह रहे हैं कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। ऐसे नेता सच्चाई से मुंह चुरा रहे हैं।मनीष मिश्रा फिलहाल हैदराबाद में तैनात थे और वहीं अपने परिवार झ पत्नी, बेटे और बेटी के साथ रहते थे। उनका पहले झारखंड की राजधानी रांची में पदस्थापन था।

संक्षिप्त-समाचार

अमेरिका की रूस को चेतावनी, कहा-यूक्रेन से शांति समझौता न करने पर करना पड़ेगा प्रतिबंधों का सामना

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस को यूक्रेन पर किए गए ताजा हमलों के बाद कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना है कि रूस, यूक्रेन पर हमले रोकने की उनकी अपील को गंभीरता से लेगा। दोनों देशों के बीच समझौता अभी भी संभव है। एबीसी न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका लगातार रूस पर यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए दबाव डाल रहा है। ट्रंप ने दावा किया, आपको पता नहीं है कि हम रूस पर कितना दबाव डाल रहे हैं। ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन के साथ शांति योजना पर पहुंचने के लिए रूसी सरकार ने क्या रियायतें दी हैं ? उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया।ट्रंप ने कहा कि वह गुरुवार को द अटलांटिक अखबार के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग से मिलने जा रहे हैं, जिन्हें अनजाने में सिग्नल चैट में शामिल कर लिया गया था। उल्लेखनीय है कि इस चैट में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ सहित अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं पर चर्चा की थी।

गैंगस्टर एक्ट के मामले में राहत को अतीक के बहनोई ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बहनोई अखलाक ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में राहत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अतीक अहमद की बहन आयशा नूरी के पति अखलाक ने याचिका दाखिल कर गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे की वैधानिकता को चुनौती दी है। याचिका में अखलाक की ओर से कहा गया है कि उसके खिलाफ गैंगस्टर का मामला औचित्यहीन है, जिसे रद्द किया जाए। गौरतलब है कि उमेश पाल हत्याकांड के बाद धूमनगंज थाने में अखलाक के साथ अतीक के दोनों बेटे उमर व अली, अतीक के बमबाज गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान सहित कुल 15 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ था। इससे पहले अशरफ की बीवी जैनब ने भी हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर अपने खिलाफ कार्रवाई की वैधानिकता को चुनौती दी है। उमेश पाल व उनके दो गनर की हत्या के मामले में फरार चल रही खालिद अजीम उर्फ अशरफ की पत्नी जैनब उर्फ रूबी ने याचिका में गैर जमानती वारंट जारी करने और कुर्की की कार्रवाई को चुनौती दी है। 25 हजार की इनामी जैनब का नाम उमेश पाल हत्याकांड में विवेचना के दौरान प्रकाश में आया था। इसकी भनक लगते ही वह फरार हो गई और पुलिस अब तक उसका सुराग नहीं लगा पाई। पुलिस ने फरार जैनब पर शिकंजा कसने के लिए 20 जुलाई 2023 को गैर जमानती वारंट जारी कराया। उसके बाद 26 जुलाई 2023 को सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कुर्की का वारंट प्राप्त किया गया। 82 की कार्रवाई के बाद भी हाजिर नहीं होने पर 19 अक्तूबर 2023 को कुर्की का आदेश जारी हुआ, जिसके बाद पुलिस ने उसके मकान को कुर्क कर लिया।

कुत्ते को बचाने के चक्कर में कार टेम्पो से टकराई टेंपो सवार 7 घायल, 3 की हालत गंभीर

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। क्षेत्र के बलुआघाट के पास सुबह 5 बजे कुत्ता बचाने के चक्कर में एक अर्टिका अनियंत्रित होकर टेम्पो से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पो गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में टेम्पो में सवार 7 लोग घायल हो गए। इनमें से 3 की स्थिति गंभीर है। घायलों में प्रदीप यादव (40), संदीप (35), राजकुमारी (32), सरिता (14), युवराज (8), दर्पण (10) और शीतल (12) शामिल हैं। सभी घायल गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पचोरा गांव के रहने वाले हैं। यह परिवार मुंबई से ट्रेन के जरिए वाराणसी आया था। वहां से रोडवेज बस से जौनपुर पहुंचा और फिर अपने गांव पचोरा जाने के लिए टेम्पो में सवार होकर अपने घर के लिए जा रहे थे कि तभी रिवर व्यू होटल बलुआघाट के पास हादसा हुआ। टेम्पो गहरी खाई में पलटते ही चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद अर्टिका चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी मौके पर पहुंच गए पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लिया है।पुलिस चालक की खोजबीन में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ के जशपुर में पिता की हत्या के आरोप में 15 वर्षीय बेटी हिरासत में

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने पिता की हत्या के आरोप में 15 वर्षीय बेटी को हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जशपुर जिले के पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि जिले के बागबहार थाना क्षेत्र में 50 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी बेटी को हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि पिता द्वारा आए दिन शराब पीकर मार-पीट करने से परेशान होकर बेटी ने यह कदम उठाया है। सिंह ने बताया कि पुलिस को 22 अप्रैल को सूचना मिली थी कि बागबहार थाना क्षेत्र के एक गांव में किसी ने कुल्हाड़ी मार कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी है। सूचना के बाद पुलिस दल को गांव रवाना किया गया तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस को मामले की जांच में जानकारी मिली कि 21 अप्रैल की रात लगभग 9:30 बजे व्यक्ति की बेटी अपने घर से निकलकर पड़ोस के एक परिवार के पास जाकर रोने लगी और बताया कि किसी ने उसके पिता को मार दिया और उसके सिर से खून बह रहा है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को बालिका के बयान पर संदेह था इसलिए उसकी मां के सामने उससे पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान बालिका ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। सिंह ने बताया कि बालिका के बयान के अनुसार, उसके पिता आए दिन शराब के नशे में उससे और उसकी मां के साथ मारपीट करते थे, जिससे परेशान होकर उसकी मां 21 अप्रैल की शाम पांच बजे अपने मायके चली गई। सिंह ने बताया कि इसके बाद बालिका का पिता बाहर चला गया और रात लगभग नौ बजे नशे में घर लौट कर वह बालिका से मारपीट करने लगा। उन्होंने बताया कि आवेश में आकर बालिका ने घर में रखी कुल्हाड़ी से पिता के सिर में वार कर दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने हमले में इस्तेमाल कुल्हाड़ी को जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि बालिका को बृहस्पतिवार को किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया।

कार्यभार सम्भालते ही नगर आयुक्त ने जोन चार का किया निरीक्षण

शहर में नो वेडिंग जोन में पटरी दुकानदारों को हटाने का निर्देश

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

नगर निगम के नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गुरूवार को कार्यभार सम्भाला और शुक्रवार की सुबह जोन चार में निरीक्षण करने सड़क पर उतर आये। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने जोन चार में स्थित एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी), वेंडिंग जोन, ट्रांसवर्स स्टेशन का एक के बाद एक निरीक्षण किया। इसी दौरान नगर आयुक्त जोनल कार्यालय पर भी पहुंचें और कर्मचारियों से स्वच्छता को लेकर सीधी बातचीत की। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कचरा प्रबंधन प्रक्रियाओं के निरीक्षण के दौरान नगरीय सेवाओं और बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार के लिए नगर निगम कर्मचारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

फोटोः हि.स.

पीसीटीएस में निरीक्षण में नगर आयुक्त ने नगर निगम लखनऊ अपने नागरिकों के हित में प्रतिबद्ध है, यह संदेश देने का प्रयास किया।वहीं नगर निगम के जोन दो में जोनल अधिकारी के नेतृत्व में नो वेडिंग जोन में भारी अतिक्रमण को हटाया गया। सुबह के वक्त नगर निगम के बुलडोजर कार्रवाई से पटरी दुकानदारों में दहशत फैल गयी। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के सामने बड़ी संख्या में पटरी दुकानदारों ने सड़क पर अतिक्रमण कर रखा है।जिसे जोन दो के कर्मियों ने एक झटके में हटा दिया गया। इस दौरान मोहम्मद नामक एक दुकानदार के विरोध करने पर नगर निगम कर्मचारियों ने पुलिसकर्मियों का सहयोग लिया। नगर आयुक्त गौरव कुमार को कुछ लोगों ने लालबाग से कैसरबाग के बीच जाम लगने की शिकायत पहुंचायी। जिस पर नगर आयुक्त ने कहा कि किसी भी हाल में अतिक्रमण, नो वेडिंग जोन में दुकानें, अवैध दुकानें, सरकारी जमीनों पर कब्जा, सड़क पर कब्जा बर्दास्त नहीं किया जायेगा। शहर में नो वेडिंग जोन में पटरी दुकानदारों को भी तत्काल ही हटाने का निर्देश दिया जा रहा है।

सहारनपुर पुलिस ने रेलवे स्टेशन व अन्य कई स्थानो पर चलाया सघन चैकिंग अभियान

सहारनपुर। जम्मू के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देशभर में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सहारनपुर में भी पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाई अलर्ट पर है। इसी कड़ी मे पुलिस प्रशासन द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, प्रमुख बाजारों व अन्य कई संवेदनशील स्थानों पर अचानक बड़े स्तर पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, पार्सल कार्यालय, पार्किंग सहित पूरे रेलवे स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग की गई। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उनसे पूछताछ भी की गई। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गोल्डन टेंपल और नौचंदी एक्सप्रेस ट्रेनों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। एसपी सिटी व्योम बिंदल के नेतृत्व मे सिटी सीओ अशोक सिसोदिया, जीआरपी सहारनपुर की सीओ श्वेता ओझा, जीआरपी एसएचओ संजीव कुमार, आरपीएफ टीम, डॉग स्क्वाड और बीडीएस टीम ने मिलकर सघन चैकिंग की।

मोतिहारी में चार पांच लड़कों ने किशोर की चाकू गोद कर की हत्या

एजेंसी (हि.स.)

पूर्वी चंपारण

फोटोः हि.स.

जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के अगरवा मोहल्ले में एक 15 साल के किशोर की चाकू गोद कर हत्या कर दी गई।घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे नगर इंस्पेक्टर विजय कुमार व पुलिस बल मामले की जांच में जुटे है।मिली जानकारी के अनुसार मृतक बेलीसराय मुहल्ला निवासी ननकी राम का पुत्र गोलू कुमार है। मृतक की मां ने बताया कि वह इधर कुछ दिनों से अगरवा के चिकनी घाट के समीप भाड़े पर कमरा लेकर रह रही थी। उसके बेटे ने शाम के 5:00 बजे फोन कर उसे बताया कि वह घर खाना खाने आ रहा है, थोड़ी ही देर बाद उसका कॉल आया कि तुम्हारे बेटे को चाकू मार दिया गया है।पुलिस मामले के सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है, वहीं मृतक गोलू के साथ एक लड़का अली था, जिससे पूछताछ की जा रही है। इस बाबत एएसपी सदर शिवम धाकड़ ने बताया है कि बच्चों के आपसी विवाद में यह चाकूबाजी की घटना हुई है, जिसमें किशोर की मौत हो गई है।उन्होंने कहा है कि चार-पांच लड़कों ने मिलकर उसकी चाकू मार कर हत्या की है।

पूरे मामले की जांच एवं अभियुक्तों के गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। जिसमें नगर थाना के पुलिस अधिकारियों के साथ टेक्निकल सेल की टीम मामले की जांच कर रही है। मोहल्ले में घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है और घटना में शामिल लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बेंगलुरु हवाई अड्डा कार्बन उत्सर्जन में लेवल-5 वाला एशिया का पहला हवाई अड्डा बना

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

बेंगलुरु

केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को हाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विमानक्षेत्र परिषद (एसीआई) एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया क्षेत्रीय महासभा में लेवल पांच की मान्यता प्रदान की गई। यह एशिया का पहला हवाई अड्डा बन गया है जिसे एसीआई के 'एयरपोर्ट कार्बन एक्रेडिटेशन' कार्यक्रम के तहत स्तर पांच की मान्यता प्राप्त हुई है। यह मान्यता पांच मई 2024 से प्रभावी है। यह महासभा 15 से 17 अप्रैल के बीच नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी। बेंगलोर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि बेंगलुरु हवाई अड्डे ने 'स्कोप 1 और 2' ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 95.6 प्रतिशत की कमी हासिल कर यह मान्यता प्राप्त की है, जिससे यह हवाई अड्डा वर्ष 2030 के अपने लक्ष्य से सात साल पहले ही 'नेट-जीरो' कार्बन उत्सर्जन को प्राप्त करने की स्थिति पर पहुंच गया है। 'स्कोप 1 और 2' ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन किसी कंपनी के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को दर्शाते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर दुख जताया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को तैयार करने में कस्तूरीरंगन की भूमिका उनकी दूरदर्शिता का एक स्थायी प्रमाण हैः धर्मेंद्र प्रधान

उनकी विरासत युवा दिमाग और भविष्य के वैज्ञानिकों को आकार देती रहेगीः प्रधान

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर दुख व्यक्त किया है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तैयार करने में कस्तूरीरंगन की महत्वपूर्ण भूमिका उनकी दूरदर्शिता का एक स्थायी प्रमाण है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक परिवर्तनकारी उपहार है।

फोटोः हि.स.

उन्होंने कहा कि भारत इसरो के एक दिग्गज और हमारे शिक्षा सुधारों में मार्गदर्शक प्रकाश की क्षति पर शोक व्यक्त करता है। उनकी विरासत युवा दिमाग और भविष्य के वैज्ञानिकों को आकार देती रहेगी।केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन से मैं बहुत दुखी हूं।उनका जाना न केवल वैश्विक वैज्ञानिक और शैक्षणिक समुदाय के लिए बहुत बड़ा नुकसान है बल्कि मेरे लिए यह बहुत ही व्यक्तिगत नुकसान है।मेरे लिए, वे एक गुरु से कहीं बढ़कर थे - वे एक मार्गदर्शक प्रकाश, ज्ञान, करुणा और शांत शक्ति के स्रोत थे। मैं खुद को वास्तव में भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे वर्षों तक उनका स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिला।

उन्होंने कहा कि डॉ. कस्तूरीरंगन एक बौद्धिक दिग्गज और सच्चे कर्मयोगी थे - एक दूरदर्शी जिनके योगदान ने आधुनिक भारत के वैज्ञानिक, शैक्षिक और नीति परिदृश्य की वास्तुकला को आकार दिया। वे केवल एक शानदार वैज्ञानिक या एक प्रसिद्ध नीति निमार्ता ही नहीं थे, वे हर मायने में एक राष्ट्र निमार्ता थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तैयार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका उनकी दूरदर्शिता का एक स्थायी प्रमाण है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक परिवर्तनकारी उपहार है।प्रधान ने कहा कि उनके परिवार, उनके सहकर्मियों और उन अनगिनत छात्रों, विद्वानों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, जिनका जीवन उनकी उपस्थिति से समृद्ध हुआ। भारत हमेशा उनकी महान बुद्धि, उनके शांत लेकिन दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा

सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे विराट कोहली

साई सुदर्शन शीर्ष पर कायम, कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) में गुरुवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मुकाबले के बाद सर्वाधिक रन बनाने वालों और विकेट लेने वालों की सूची में कई बदलाव हुए।

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन 417 रन बनाकर अब भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 52.12 की औसत और 152.18 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं, विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। राजस्थान के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 70 रन बनाए और अब उनके नाम नौ पारियों में 392 रन हो गए हैं।

विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई

लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ने प्रतियोगिता की शुरूआत धमाकेदार अंदाज में की थी और काफी मैचों तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। लेकिन हाल के मुकाबलों में खराब फॉर्म की वजह से अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम 377 रन हैं। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हर मैच में उपयोगी योगदान दिया है और अब 373 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अब भी सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप धारक हैं। उन्होंने आठ मैचों में 16 विकेट लिए हैं। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जोश हेजलवुड ने राजस्थान के खिलाफ 4 विकेट लेकर 16 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनकी रनगति (इकोनॉमी रेट) अधिक होने के कारण वह दूसरे स्थान पर हैं।

फोटोः हि.स.

प्रसिद्ध कृष्णा और जोश हेजलवुड के बाद सात गेंदबाज ऐसे हैं जिनके नाम 12-12 विकेट हैं। इनमें आरसीबी के क्रुणाल पांड्या (2 विकेट बनाम राजस्थान) नया नाम हैं। अन्य गेंदबाजों में गुजरात टाइटंस के आर. साई किशोर और मोहम्मद सिराज, चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद, दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या और लखनऊ सुपर जायंट्स के शार्दुल ठाकुर शामिल हैं। इनमें सबसे किफायती गेंदबाज कुलदीप यादव हैं - 6.50 की रनगति के साथ, जबकि नूर अहमद 7.66 के रनगति के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

स्वियातेक ने मियामी की हार का लिया बदला, एलेक्स ईला को दी शिकस्त

एजेंसी (हि.स.)

मैड्रिड

फोटोः हि.स.

पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में रोमांचक मुकाबले में फिलीपींस की 19 वर्षीय उभरती सितारा एलेक्स ईला को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया। पिछले महीने मियामी ओपन में ईला से मिली करारी हार के बाद यह जीत स्वियातेक के लिए बदला लेने जैसी रही। मैच की शुरूआत में ईला ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वियातेक की सर्विस तोड़ी और पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। लेकिन इसके बाद स्वियातेक ने अनुभव का फायदा उठाते हुए गेम पर पकड़ मजबूत की और अगले दोनों सेट 6-4, 6-2 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

एलेक्स ईला ने मियामी ओपन में स्वियातेक को सीधे सेटों में हराकर सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने उस टूर्नामेंट में जेलेना ओस्तापेंको और मैडिसन कीज जैसी ग्रैंड स्लैम विजेताओं को भी शिकस्त दी थी। हालांकि उनका सफर सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला के हाथों हार के साथ समाप्त हुआ था। इस प्रदर्शन की बदौलत वह टॉप 100 में जगह बनाने वाली पहली फिलिपीना खिलाड़ी बनीं और फिलहाल रैंकिंग में 72वें स्थान पर हैं। दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी और गत विजेता स्वियातेक इस साल अब तक तीन सेमीफाइनल (ऑस्ट्रेलियन ओपन, इंडियन वेल्स, और एक अन्य) तक पहुंच चुकी हैं लेकिन फाइनल नहीं खेल सकी हैं। पिछले हफ्ते स्टटगार्ट में उन्हें जेलेना ओस्तापेंको के हाथों तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

महिला वर्ग में रूस की मिर्रा एंड्रीवा ने मेरी बौजकोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। ब्राजील की बीया हद्दाद मायिया ने पेरा को 2-6, 6-3, 6-1 से मात दी। अमेरिका की केटी वोलिनेट्स को डायना श्नाइडर ने 6-1, 6-2 से हराया जबकि एम्मा नवारो ने माया जॉइंट को 7-5, 7-5 से हराकर जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में जापान के पूर्व विश्व नंबर 4 केई निशिकोरी ने अलेक्जेंडर वुकिक को 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर अपने करियर की 450वीं टूर-स्तरीय जीत दर्ज की। उन्होंने कहा, 'मुझे इसका अंदाजा नहीं था। बस एक-एक मैच खेलता हूं- अब तक 18 साल का सफर रहा है, उम्मीद है 500 तक पहुंच जाऊं।' उनका अगला मुकाबला 29वीं वरीयता प्राप्त डेनिस शापोवालोव से होगा।

डेविड गोफिन को एलेक्जेंडर मुलर के खिलाफ तीसरे सेट में 1-0 से पिछड़ते हुए रिटायर होना पड़ा। वहीं, लोरेंजो सोनेगो ने मियोमिर केकमानोविच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

मैग्नस कार्लसन की गैरमौजूदगी में प्रज्ञानानंद खिताब के प्रबल दावेदार

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट शनिवार से शुरू हो रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इस बार नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद खिताब के सबसे बड़े दावेदारों में शुमार हो गए हैं। इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथंबरम भाग ले रहे हैं। कार्लसन की गैरमौजूदगी ने मुकाबले को पूरी तरह खुला बना दिया है और ऐसे में प्रज्ञानानंद की तेजी से खेले जाने वाले फॉर्मेट में सटीकता उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब जीता था, जिससे उनके आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अरविंद चिथंबरम ने प्राग मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन कर यह वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल की है। यह टूर्नामेंट उनके लिए बड़ी परीक्षा की तरह होगा, जहां उन्हें विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का सामना करना है। फ्रांस के अलीरेजा फिरूजजा को भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं उनके हमवतन मैक्सीम वाचिए-लाग्रेव भी पिछले दशक में फ्रेंच खिलाड़ियों की छवि को आगे बढ़ाने की उम्मीदों के साथ उतरेंगे। पोलैंड के डूडा और अमेरिका के लेवोन अरोनियन भी खिताब की रेस में रह सकते हैं। विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल फॉर्मेट में अपनी रुचि कम होने की बात स्वीकार करते हुए इस टूर्नामेंट से दूरी बना ली है। वे अब 'फ्रीस्टाइल चेस' की ओर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और हाल ही में लगातार दो टूर्नामेंट जीत चुके हैं।

पीएसएल में पाकिस्तान गेंदबाज इफ्तिखार पर लगा चकिंग का आरोप

कराची। पाकिस्तान सुपर लीग में न्यूजीलैंड के क्रिकेटर कॉलिन मुनरो ने पाकिस्तानी ऑफ स्पिनर इफ्तिखार अहमद पर चकिंग का आरोप लगाया। बुधवार को पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड और मुल्तान सुल्तांस के बीच मैच था। कॉलिन मुनरो इस्लामाबाद यूनाइटेड की ओर से खेल रहे हैं। वहीं इफ्तिखार अहमद मुल्तान सुल्तांस के टीम में शामिल हैं। मुल्तान सुल्तांस ने पहले बल्लेबाज करते हुए इस्लामाबाद यूनाइटेड को 169 का रन का टारगेट किया। इस्लामाबाद यूनाइटेड की पारी के 10वें ओवर में इफ्तिखार अहमद ने तेज गति से यॉर्कर लेंथ पर गेंद डाली, जिस पर मुनरो ने डिफेंस किया। गेंद पूरी होने के बाद मुनरो ने इफ्तिखार की तरफ हाथ से इशारा करके बताया कि यह चकिंग थी। मुनरो ने एक्शन दिखाते समय अपनी कोहनी भी मोड़ी। ओवर खत्म होने के बाद इफ्तिखार अहमद और कॉलिन मुनरो के बीच हुई। दरअसल इफ्तिखार अहमद को कॉलिन का विरोध करना अच्छा नहीं लगा, वे गुस्सा हो गए और अंपायर के पास चले गए। इस दौरान कई खिलाड़ी अहमद के पाए गए। इसी बीच अहमद और मुनरो के बीच झड़प हो गई।

जीत का पूरा श्रेय गेंदबाजों को जाता है : आरसीबी कप्तान पाटीदार

एजेंसी (हि.स.)

बेंगलुरु

फोटोः हि.स.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने बृहस्पतिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स पर मिली 11 रन की जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया। आरसीबी ने जोश हेजलवुड (33 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी से वापसी करते हुए इस सत्र में घरेलू मैदान पर पहली जीत का स्वाद चखा।

इससे पहले स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (70 रन) और देवदत्त पडीक्कल (50 रन) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 51 गेंद में 95 रन की साझेदारी से टीम ने पांच विकेट पर 205 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। पर हेजलवुड की शानदार गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स 20 ओवर में नौ विकेट पर 194 रन ही बना सकी। मैच के बाद पाटीदार ने कहा, 'यह जीत हमारे लिए बहुत जरूरी थी। पिच वैसी नहीं थी जिसकी उम्मीद की थी। पर जीत का पूरा श्रेय गेंदबाजों को जाता है। उन्होंने 10वें ओवर के बाद जिस तरह से गेंदबाजी की वो काबिले तारीफ थी। उन्होंने जो जज्बा दिखाया, वो शानदार था।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने शुरू में बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। हमें लग रहा था कि मामला करीबी होगा लेकिन हम विकेट की कोशिश में थे और गेंदबाजों ने विकेट दिलाकर वापसी कराई।'

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड और जमशेदपुर एफसी सुपर कप क्वार्टर फाइनल में

भुवनेश्वर। मोरक्को के स्ट्राइकर अलादीन अजराय की शानदार हैट्रिक की मदद से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग को 6-0 से हराकर बृहस्पतिवार को कलिंगा सुपर कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इंडियन सुपर लीग के सबसे ज्यादा गोल करने वाले अजराय ने 18वें, 57वें और 90+2वें मिनट में गोल किए। जिथिन एमएस (तीसरे), नेस्टर एल्बियाच रोजर (42वें) और गिलर्मो फर्नांडीज हिएरो (66वें) ने भी एकतरफा मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के लिए गोल दागे। दिन के एक अन्य मैच में जमशेदपुर एफसी ने हैदराबाद एफसी को 2-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। उसके लिए जेवियर सिवेरो ने 39वें मिनट में और स्टीफन एंजे ने 64वें मिनट में गोल दागा।

मैड्रिड ओपन से हटे कार्लोस अल्कराज, चोट बनी वजह

एजेंसी (हि.स.)

मैड्रिड

फोटोः हि.स.

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। पैर की चोट के कारण वे टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। मैड्रिड में उनका मुकाबला शनिवार को होना था। अल्कराज ने बताया कि उन्हें ऊपरी पैर में पहले से चोट थी, जो उन्हें बीते रविवार को बार्सिलोना ओपन के फाइनल के दौरान भी परेशान कर रही थी। इसके अलावा, अब उनके बाएं पैर में भी चोट है। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही उन्होंने खेलने से इनकार करने का फैसला लिया। अल्कराज ने 2022 और 2023 में मैड्रिड ओपन का खिताब जीता था। इस बार वे टूर्नामेंट के दूसरे वरीय खिलाड़ी थे और उनका ड्रा नोवाक जोकोविच के साथ एक ही हाफ में था। बार्सिलोना फाइनल में होल्गर रून से हार के दौरान उन्हें ट्रीटमेंट लेना पड़ा था। अल्कराज ने कहा कि उनकी ये चोट फ्रेंच ओपन में खेलने में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने पिछले साल रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर खिताब जीता था। इस बार भी वे खिताब बचाने उतरेंगे। ज्वेरेव ने हाल ही में म्यूनिख ओपन जीतकर अल्कराज को पीछे छोड़ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। अल्कराज ने इस साल अब तक 24 मुकाबलों में जीत और केवल 5 में हार दर्ज की है। उन्होंने फरवरी में रॉटरडैम (हार्ड कोर्ट) और अप्रैल में मोंटे कार्लो (क्ले कोर्ट) पर खिताब जीता है। हालांकि, हालिया कार्यक्रम को लेकर उन्होंने थकान की शिकायत भी की थी।

दर्पण

आइए जानें दक्षिण की काशी 'कांचीपुरम' के बारे में

कांचीपुरम सप्त पुरियों में से एक पुरी है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य में स्थित इस धार्मिक नगरी को दक्षिण की काशी भी कहा जाता है। अपने 1000 मंदिरों के लिये चर्चित कांचीपुरम और इसके आस-पास 126 बड़े व भव्य मंदिर तो आज भी मौजूद हैं। प्रत्येक मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का तो केंद्र है ही साथ ही स्थापत्य कला के लिये भी प्रसिद्ध है। एक अलग तरह की कारीगरी इन मंदिरों में देखने को मिलती है। कांचीपुरम मंदिरों के अलावा साड़ियों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां की रेशमी कांजीवरम साड़ियां विश्व विख्यात हैं। आगे हम कांचीपुरम के पौराणिक मह और यहां के दर्शनीय थलों के बारे में जानेंगे।

कांचीपुरम का पौराणिक महत्व

पौराणिक माता है कि इस क्षेत्र में ब्रह्माजी ने देवी शक्ति के दर्शनार्थ हेतु तप किया था। ऐसा माना जाता है कि जो भी यहां आता है, उसे आंतरिक खुशी के साथ-साथ मोक्ष की भी प्राप्ति होती है। क्योंकि कांचीपुरम मोक्षदायिनी सप्त पुरियों में गिना जाता है। बाकी अन्य छः पुरियों में अयोध्या, मथुरा, द्वारका, हरिद्वार, काशी और उज्जैन शामिल हैं। कांची हरिहरात्मक पुरी है। इसके दो भाग शिवकांची और विष्णुकांची हैं। कामाक्षी अम्मान मंदिर को यहां की शक्तिपीठ माना जाता है। दक्षिण के पंच तत्वलिंगो में से भूतत्वलिंग के संबंध में कुछ मतभेद है। जिसके कारण कुछ लोग कांची के एकामेर लिंग को भूतत्वलिंग मानते हैं, और कुछ लोग तिरुवारुर की त्यागराजलिंग को भूतत्वलिंग मानते हैं।

कांचीपुरम का इतिहास

साक्ष्यों के मुताबिक कांचीपुरम ईसा की आरम्भिक शताब्दियों में महत्तपूर्ण नगर था। यह दक्षिण भारत का सबसे बड़ा केंद्र था। बुद्धघोष के समकालीन प्रसिद्ध भाष्यकार धर्मपाल का जन्म स्थान यहीं है, इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि एक समय में यह बौद्ध धर्मीय जीवन का केद्र था। यहां के सुंदरतम मंदिरों की श्रृंखला इस बात को प्रमाणित करती हैं कि यह स्थान दक्षिण भारत के धार्मिक क्रियाकलापों का कई शताब्दियों तक केंद्र रहा है। कांचीपुरम सातवीं शताब्दी से लेकर नौवीं शताब्दी तक पल्लव साम्राज्य का ऐतिहासिक शहर व राजधानी हुआ करता था। छठी शताब्दी में पल्लवों के संरक्षण से प्रारंभ, पंद्रहवीं व सोलहवीं शताब्दी तक विजयनगर के राजाओं के संरक्षण काल में 1000 वर्ष की द्रविड़ मंदिर शिल्पकला में हुए अभूतपूर्व विकास को यहां देखा जा सकता है। कैलाशनाथ मंदिर इस कला का श्रेष्ठ उदाहरण माना जा सकता है। सातवीं शताब्दी में बना बैकुंठ पेरुमल मंदिर इस कला की सुंदरता का सूचक है। ये दोनों ही मंदिर पल्लव राजाओं के शिकला के प्रति प्रेम के उत्कृष्ठ उदाहरण हैं।

कांचीपुरम में दर्शनीय स्थान

कांचीपुरम का कैलाशनाथ मंदिर सबसे प्रसिद्ध है। इस मंदिर का यहां के दर्शनीय थलों में प्रथम स्थान है। इसके अलावा बैकुंठ पेरुमल मंदिर, कामाक्षी अमां मंदिर, वरदराज मंदिर और एकम्बारानाथर मंदिर शामिल हैं। जो दर्शनीय हैं।

कैलाशनाथ मंदिर

यह मंदिर कांचीपुरम का सबसे प्राचीन और दक्षिण भारत के सबसे सुंदर मंदिरों में से एक है। मंदिर में देवी पार्वती और भगवान शिव की नृत्य प्रतियोगिता को दशार्या गया है। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इस मंदिर का निर्माण आठवीं शताब्दी में पल्लव वंश के राजा राजसिम्हा ने अपनी पत्नी की इच्छा पर करवाया था। मंदिर के अभाग का निर्माण राजा के पुत्र महेन्द्र वर्मन तृतीय ने करवाया था।

बैकुंठ पेरुमल मंदिर

यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण सातवीं शताब्दी में पल्लव राजा नंदीवर्मन पल्लवमल्ला ने करवाया था। मंदिर में भगवान विष्णु को बैठे, खड़े और आराम करती मुद्रा में देखा जा सकता है। मंदिर की दीवारों पर पल्लव और चालुक्यों के मध्य युद्धों के दृश्यों को प्रदर्शित किया गया है। मंदिर में 1000 खंबों वाला एक विशाल सभागृह भी बना हुआ है जो यात्रियों को बहुत ही आकर्षित करता है। प्रत्येक में नक्काशी से तस्वीर उकेरी गई है, जो उम्दा कारीगरी का नमूना है।

कामाक्षी अम्मा मंदिर

यह मंदिर देवी शक्ति को समर्पित है। मंदिर देवी के तीन सबसे पवित्र स्थानों में से एक है। मदुरै और वाराणसी देवी के अ्रय दो पवित्र स्थल हैं। 1.6 एकड़ में फैला यह मंदिर नगर के केंद्र में स्थित है। मंदिर को पल्लवों ने बनवाया था। बाद में मंदिर का पुनरोद्धार 14वीं और 17वीं शताब्दी में करवाया गया।

वरदराज मंदिर

यह मंदिर भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित है। मंदिर में इन्हें देवराजस्वामी के रुप में पूजा जाता है। मंदिर में 100 स्तम्भों वाला एक हाल है जिसे विजयनगर के राजाओं ने बनवाया था। यह मंदिर उस काल के कारीगरों की कला का उत्कृष्ठ उदाहरण है।

एकम्बारानाथर मंदिर

यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इस मंदिर को पल्लवों ने बनवाया था। बाद में इसका पुनर्निर्माण चोल और विजयनगर के राजाओं ने करवाया। 11 खंड़ों का यह मंदिर दक्षिण भारत के सबसे ऊंचे मंदिरों में एक है। मंदिर में कई आकर्षक मूर्तियां हैं। साथ ही यहां का 1000 पिलर का मंडपम भी खासा लोकप्रिय है।

कैसे जाएं कांचीपुरम

कोई भी भक्त यहां तीनों मार्गों से पहुंच सकता है।

वायु मार्ग

कांचीपुरम का निकटतम एयरपोर्ट चेन्नई है जो लगभग 75 किलोमीटर दूर है। चेन्नई से कांचीपुरम लगभग 2 घंटे में पहुंचा जा सकता है। यहां के लिए देश के सभी मुख्य एयरपोर्टों से फ्लाइट्स उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग

कांचीपुरम का रेलवे स्टेशन चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुपति और बैंगलोर से जुड़ा हुआ है। जो इसे देश के कई राज्यों से जोड़ता है। यहां श्रद्धालु रेल मार्ग से बड़ी ही सरलता से पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग

कांचीपुरम तमिलनाडु के लगभग सभी शहरों से सड़क मार्ग से जुड़ा है। विभि शहरों से कांचीपुरम के लिए नियमित अंतराल पर बसें चलती हैं। इसके अलावा यह कई राजमार्ग से जुड़ा आ है।

‘अथर्व भारत अवाड्र्स 2025’ के तहत अपने कार्यक्षेत्र के उत्कृष्ट लोगों को किया सम्मानित

पंजाब के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने प्रदान किए पुरस्कार

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने शुक्रवार को सेक्टर 35 स्थित होटल जेडब्ल्यू मैरियट में आयोजित प्रतिष्ठित समिट इंडिया के अथर्व भारत-2025 में राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए। इस अवार्ड्स ने शिक्षा, सार्वजनिक सेवा और सामाजिक विकास में प्रभावशाली बदलाव लाने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करके राष्ट्रीय मान्यता के लिए नए मानक स्थापित किए। सभा को संबोधित करते हुए प्रशासक ने कहा कि सच्चा राष्ट्रीय विकास शिक्षा, नैतिकता और सहानुभूति के माध्यम से व्यक्तियों के सशक्तिकरण में निहित है। ऐसी उत्कृष्टता को पहचानना और प्रोत्साहित करना केवल उपलब्धियों का जश्न मनाना नहीं है, बल्कि हमारे राष्ट्र के भविष्य को संवारने की प्रतिबद्धता है।

वह इस जीवंत मंच को बनाने के लिए समिट इंडिया की सराहना करते हैं जो समावेशी प्रगति और सामाजिक उत्थान के लिए प्रयास करने वालों को सम्मानित करता है। कटारिया ने शैक्षणिक संस्थानों और कौशल विकास प्लेटफार्मों के बीच एक मजबूत तालमेल का आह्वान किया और शिक्षा को रोजगारोन्मुखी और भविष्य के लिए तैयार करने में इसकी परिवर्तनकारी भूमिका के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना की। कटारिया ने कहा की जब शिक्षा, शासन और सामाजिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी लोग एक साथ आते हैं, तो राष्ट्र मजबूती और स्पष्ट दृष्टि के साथ आगे बढ़ता है। इस तरह के पुरस्कार न केवल पहचान के रूप में काम करते हैं, बल्कि यह याद दिलाते हैं कि एक व्यक्ति का दृढ़ संकल्प लाखों लोगों को प्रभावित कर सकता है। वहीं, शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि अथर्व भारत पुरस्कारों की स्थापना ने न केवल भारत की सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत को बहुत सम्मान और मान्यता दिलवाई है, बल्कि लीडरशिप क्वालिटी और टेक्निकल इनोवेशन की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये पुरस्कार हमारी परंपराओं के शाश्वत ज्ञान और आधुनिक युग की गतिशील प्रगति के बीच एक सेतु का काम करते हैं, जो उत्कृष्टता, रचनात्मकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देते हैं।

45 विजेताओं को किया गया सम्मानित

शिखर सम्मेलन में कुल 45 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मानित होने वालों में सेवानिवृत्त मेजर जनरल जगजीत सिंह नंदा (एसएम), आरके पचनंदा (सेवानिवृत्त आईपीएस), शिक्षाविद् मनु राज मल्होत्रा और सादगी मल्होत्रा, आईटी विशेषज्ञ डॉ. कीर्ति ढींगरा, सामाजिक कार्यकर्ता सिम्पी गर्ग, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता रजत भट्टाचार्य, राष्ट्रीय विद्वान कुंदन लाल जुनेजा सहित 45 अन्य प्राप्तकर्ता शामिल हैं। इस कार्यक्रम में न्यायमूर्ति लोकपाल सिंह, डॉ. बुद्ध चंद्रशेखर - मुख्य समन्वय अधिकारी, एआईसीटीई, शिक्षा मंत्रालय सहित कई प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण दो दूरदर्शी पहलों - शिक्षा भविष्य और आईएएस साथी का शुभारंभ था - जो नवाचार, मार्गदर्शन और डिजिटल पहुंच के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में प्रगति को गति देने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

हार्ट 2025 के दूसरे दिन देशभर से 500 से अधिक प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता
चंडीगढ़

तीसरे राष्ट्रीय अस्पताल प्रशासन सम्मेलन, हार्ट 2025 का दूसरा दिन वाकई में आकर्षक था। अस्पताल प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित, यह तीन दिवसीय कार्यक्रम देशभर से 500 से अधिक प्रतिनिधियों को आकर्षित किया। यह एक जीवंत सभा थी जहाँ विचार स्वतंत्रता से प्रवाहित हुए, और चचाओं ने नए दृष्टिकोणों को जन्म दिया। इस वर्ष का सम्मेलन विशेष रूप से प्रभावशाली लगा। इसने स्वास्थ्य सेवा नेतृत्व और नवाचार में महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाया, समर्पित पेशेवरों के बीच सामुदायिक भावना उत्पन्न की। दिन की चचाओं ने स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार के लिए अस्पताल प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। विशेषज्ञों ने सतत पेशेवर विकास की आवश्यकता पर बल दिया ताकि प्रशासक बदलती स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को प्रभावी ढंग से इनवेस्टिगेट कर सकें।

उन्होंने वित्तीय प्रबंधन और गुणवत्ता देखभाल के बीच के संबंध पर भी ध्यान दिया, यह दशार्ते हुए कि अच्छे वित्तीय प्रथाएँ रोगी परिणामों को कैसे बेहतर बना सकती हैं। चचाओं में सामाजिक-वैधानिक चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया, विशेष रूप से अंगदान के आसपास, दाताओं और प्राप्तकताओं के लिए समर्थन में सुधार के लिए अधिक सहयोग की पैरवी की गई।

एक महत्वपूर्ण सत्र, अस्पताल प्रशासनः स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता का मुख्य चालक, का संचालन डॉ. रंजना सिंह, अतिरिक्त प्रोफेसर, अस्पताल प्रशासन विभाग, पीजीआई द्वारा किया गया। इसमें अस्पताल प्रशासन के अतीत और भविष्य पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञों का एक गतिशील पैनल शामिल था। दिल्ली के अक्क्रटर के प्रो. सिद्धार्थ सत्पाथी ने इस क्षेत्र के विकास के बारे में रोमांचक जानकारियाँ साझा कीं। यूके के वउछ लंदन से प्रो. प्रीथी जॉन्स ने भविष्य की चुनौतियों के लिए प्रशासकों को आवश्यक कौशल से लैस करने के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद पैनी वाइज, पाउंड वाइज सत्र था, जिसका संचालन डॉ. नवीन पांडे, अतिरिक्त प्रोफेसर, अस्पताल प्रशासन विभाग, पीजीआई द्वारा किया गया। इस चर्चा ने यह उजागर किया कि वित्तीय प्रबंधन स्वास्थ्य सेवा के परिणामों को कैसे प्रभावित करता है। प्रतिनिधि एआईएमएस मोहाली के प्रो. अनुपम महाजन से व्यावहारिक ज्ञान लेकर गए, जो सम्मेलन के उद्देश्य को सिद्ध करता है कि वह सिद्धांत को वास्तविक विश्व अनुप्रयोगों से जोड़ता है। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. विकास भाटिया, कार्यकारी निदेशक, एम्स बिबलिनगर, तेलंगाना ने की।

अमन भंडारी और इशुल ने मिस्टर और मिस फेयरवेल का खिताब जीता

संवाददाता
चंडीगढ़

किसी भी संस्थान में विदाई समारोह एक खुशी और यादगार अवसर होता है, जहां स्नातक छात्र अपनी उपलब्धियों पर विचार करते हैं, यादों को संजोते हैं और आशा और उत्साह के साथ भविष्य की ओर देखते हैं। डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ के कंप्यूटर साइंस एप्लीकेशन और आईटी विभाग ने भी विदाई पार्टी का आयोजन किया, ताकि निवर्तमान बैच की उपलब्धियों का औपचारिक रूप से जश्न मनाया जा सके और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की कामना की जा सके, जो सफलता, खुशी और पूर्णता से भरा हो। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, प्रोफेसर मोना नारंग, प्रिंसिपल, डीएवी कॉलेज ने स्नातक छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपने जीवन के अगले अध्याय को उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के पास अपने भाग्य को आकार देने, सपनों को वास्तविकता में बदलने और दुनिया में बदलाव लाने की शक्ति है। स्नातक होने वाले प्रत्येक विद्यार्थी ने रैंप वॉक किया और अपना परिचय दिया।

पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा के संबंध में निर्णय

चंडीगढ़। पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रम में, भारत सरकार ने तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा सेवाएं निलंबित करने का निर्णय लिया है। भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल 2025 से रद्द कर दिए गए हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल 2025 तक वैध होंगे। भारत में वर्तमान में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को अब संशोधित वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले भारत छोड़ देना चाहिए। भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा करने से बचने की दृढ़ता से सलाह दी जाती है। वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी जल्द से जल्द भारत लौटने की सलाह दी जाती है। इसके द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि उपरोक्त निर्णय में निर्दिष्ट वीजा का निरसन हिंदू पाकिस्तानी नागरिकों को पहले से जारी दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) पर लागू नहीं होता है, जो वैध हैं।

पीजीआई में मनाया विश्व मलेरिया दिवस

संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआई चंडीगढ़ के मेडिकल पैरासिटोलॉजी विभाग ने मलेरिया उन्मूलन के प्रति जागरूकता और नई प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए 25 अप्रैल 2025 को विश्व मलेरिया दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। गतिविधियों की श्रृंखला में मलेरिया प्रश्नोत्तरी, पोस्टर-मेकिंग और हिंदी नारा लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। विभाग के संकाय, छात्र, शोध अध्येता और तकनीशियनों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस वर्ष की थीम मलेरिया हमारे साथ समाप्त होता हैः पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन पर विचार किया। विजेताओं में मलेरिया प्रश्नोत्तरी के लिए डॉ. जेफी मरियम जोस, पोस्टर के लिए सुश्री अनुपमा और हिंदी नारे के लिए डॉ. कंचन शामिल थीं।

पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, मलेरिया भारत में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। भारत सरकार मलेरिया उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है और मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा की शुरूआत सहित इसके नियंत्रण के लिए कई सक्रिय कदम उठाए हैं। परिणामस्वरूप, हर साल मलेरिया से सैकड़ों लोगों की जान बचाई जाती है। इस वर्ष का विषय नवीन रणनीतियों में निवेश करने, मौजूदा साधनों की पुनर्कल्पना करने और प्रगति में तेजी लाने के लिए राजनीतिक और सामुदायिक भागीदारी को फिर से जगाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है। जैसे-जैसे मलेरिया का मौसम करीब आता है, यह महत्वपूर्ण है कि जनता मच्छरदानी का उपयोग करने, लंबी आस्तीन वाले कपड़े पहनने, घरों के आसपास खड़े पानी को खत्म करने और बुखार के मामले में समय पर चिकित्सा परामर्श सुनिश्चित करने जैसे सरल लेकिन प्रभावी निवारक उपाय करे। बढ़ी हुई निगरानी, वेक्टर नियंत्रण, जन जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से, राष्ट्र का लक्ष्य 2030 तक मलेरिया मुक्त स्थिति हासिल करना है। विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियों का उद्देश्य युवा दिमागों को मलेरिया को हमेशा के लिए खत्म करने के समाधानों के बारे में रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना था। जैसे-जैसे भारत इस महत्वाकांक्षी पथ पर आगे बढ़ रहा है, पीजीआई जैसे शैक्षणिक संस्थान इस दृष्टि को साकार करने के लिए अनुसंधान, शिक्षा और वकालत का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मेयर ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील बनाने पर जोर दिया

संवाददाता
चंडीगढ़

मोती राम आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पृथ्वी दिवस मनाया गया जिसमें महापौर हरप्रीत बबला ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील बनाने और उन्हें पृथ्वी की रक्षा के लिए सार्थक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी को हर दिन को पृथ्वी दिवस मनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर पोस्टर निर्माण, नारा लेखन और निबंध लेखन जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और पृथ्वी के प्रति अपनी गहरी चिंता को व्यक्त किया। प्रेरणादायक भाषण, जानकारीपूर्ण प्रस्तुतियाँ और पर्यावरणीय विषयों पर आधारित रोचक नाटकों की प्रस्तुति भी की गई। इसके साथ ही एक ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी हुआ, जिससे विद्यार्थियों का उत्साह और जानकारी दोनों में वृद्धि हुई। विद्यार्थियों को पृथ्वी बचाने के व्यावहारिक उपायों के साथ-साथ कचरा प्रबंधन के महत्व के बारे में भी बताया गया। उन्हें अलग-अलग रंग की डस्टबिनों की उपयोगिता और उनमें

‘मानव एकता दिवस’ के अवसर पर निरंकारी मिशन द्वारा 381 युनिट रक्त दान किया गया

संवाददाता
चंडीगढ़

मानव एकता दिवस के अवसर पर आज संत निरंकारी सत्संग भवन सैक्टर 30-ए चंडीगढ़ में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें निरंकारी श्रद्धालुओं द्वारा स्वेच्छा से 381 युनिट रक्त दान किया जिनमें अनेको महिलाएं शामिल हैं। इस रक्त दान शिविर का उद्घाटन मुख्य मन्त्री हरियाणा के राजनैतिक सचिव तरूण भण्डारी जी ने किया। भण्डारी ने कहा कि रक्तदान शिविर तो अनेकों देखे हैं लेकिन ऐसे शिविर देखने को बहुत कम ही मिलते हैं जहां सभी निस्वार्थ भाव से स्वेच्छा से रक्त देने के लिए लाईनों में लगे हुए हैं। मिशन की सराहना करते हुए भण्डारी ने कहा कि सतुगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज की कृपा से यह मिशन परमार्थ के रास्ते पर तो चल ही रहा है इसके साथ साथ सामाजिक कल्याण के कार्यों में भी पीछे नहीं है। इस मिशन द्वारा न केवल समय समय पर रक्तदान शिविर लगाए जाते हैं बल्कि सफाई अभियान, वृक्षारोपण, जल शुद्धिकरण अभियान आदि में बढ़-चढ़.कर योगदान दिया जाता है। इस अवसर पर जोनल इन्चार्ज ओ पी निरंकारी जी ने बताया कि निरंकारी मिशन द्वारा यह दिन युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी के परोपकारी जीवन एवं उनकी लोक कल्याण की भावना को समर्पित है। युगदृष्टा सतुगुरू बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के निर्देश कि ‘रक्त नाड़ियों में बहना चाहिए नालियों में नहीं’ की पालना करते हुए निरंकारी मिशन द्वारा इस अवसर पर वर्ष 1986 से आज के दिन अनेकों स्थानों पर रक्त दान शिविर लगाए जाते हैं और उसी श्रृंखला में आज भी भारत में लगभग 500 स्थानों पर रक्त दान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में अभी तक 15,00,000 युनिट रक्त मानवमात्र की भलाई हेतु दिया जा चुका है। निरंकारी ने यहां सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रक्त दाताओं का हौंसला देख कर उनकी सराहना करते हुए कहा कि यह जो दान किया जा रहा है यह परमात्मा द्वारा दिए गए तन से ही किया जा रहा है क्योंकि हम सभी के शरीर में परमात्मा ने एक रिजर्व रक्त का सिस्टम बनाया होता है उसी के कारण ही हम रक्त दान कर पाते हैं।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर 14 पंचकूला में 21 से 25 अप्रैल 2025 तक चल रहे प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ, भूचाल, आग, ट्रेफिक, हवाई हमले व रसों के द्वारा लगाई जाने वाली 15 गांठों के बारे में भी बेसिक ट्रेनिंग दी गई व प्रशिक्षण के आखरी दिन श्री विश्वनाथ ने आज समापन अवसर पर राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर 14 पंचकूला में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की व महाविद्यालय में चल रहे प्रशिक्षण का भी समापन करवाया और कहा ये प्रशिक्षण आपदा की समय में बचने ओर जान मॉल की सुरक्षा में लाभकारी सिद्ध होगा, कहा आप ऐसे ही बच्चों को आपदा के प्रति प्रशिक्षण देते रहे और उन्हें जागृत करते रहे ताकि भविष्य में कभी आपदा आये तो जिन बच्चों ने प्रशिक्षण लिया हम उनसे आपातकालीन स्थिति में काम ले सके ताकि व लोगों की जान माल की रक्षा कर सके। उन्होंने प्रिन्सिपल ऋचा सेतिया, अतुल खुल्लर व समस्त स्टाफ के साथ अधीक्षक श्री सुखदीप सिंह ट्रेनिंग इनचार्ज व उनकी टीम कोस्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आयुक्त एव सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविरों में लंबित शिकायतों को लेकर समीक्षा बैठक की करी अध्यक्षता

संवाददाता
पंचकूला

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एव सचिव मोहम्मद शाहीन ने आज चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविरों में लंबित शिकायतों को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होने प्रदेश के सभी उपायुक्तों को लंबित शिकायतों का तुरंत निपटान करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव ने लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होने अधिकारियों को लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में आने वाले लोगो की समस्याओं का समाधान तुरंत होना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आमजन की समस्याओं का समाधान अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए और कोई भी शिकायत लंबित न रहे। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री का सपना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को न्याय दिलाते हुए योजनाओं का लाभ दिलाना है। हम सभी अधिकारियों को इस मामले में और अधिक गंभीर होकर काम करने की अवश्यकता है।

अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव ने सभी विभागों के अधिकरियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिस दिन समीक्षा बैठक के लिए आएं तो एक बार टैक्निकल टीम से मीटिंग शुरू होने से पहले एक बार जरूर मिलें, जिससे पैंडिंग या ओवरडयू समस्या का पता लग सके। उन्होने बताया कि कई बार देखने में आया है कि अधिकारी के पास पैंडिंग समस्या की संख्या कम होती है लेकिन पोर्टल पर वही संख्या ज्यादा दिखाई देती है।

निशा यादव ने बैठक में समाधान शिविर, सीएम विंडो तथा जनसंवाद से संबंधित लंबित पडी समस्याओं को अधिकारियों को अपने स्तर पर जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। लंबित विभागों में निम्न विभाग शामिल हैं- डीआरओ, एसडीएम कालका, एसडीएम पंचकूला, डीडीपीओ, एलडीएम, आरटीए पंचकूला, तहसीलदार, डीएसडब्लयूओ, एआरसी, डिवलेपमेंट एवं पंचायत, एक्सईन पंचायती राज,जिला परिषद, डीआरडीए,एलिमेंट्री एजुकेशन, फोरेस्ट, एचएसवीपी, हाउसिंग बोर्ड, यूएचबीवीएन, हेल्थ, ट्रांसपोर्ट, आरटीए, एचएसआईआईडीसी, डीईओ को जल्द से जल्द से लंबित समस्याओं का निपटान करने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश विश्वनाथ, एसीपी अजीत सिंह भी मौजूद रहे।

जिला की मंडियों में 36515 मीट्रिक टन गेंहू की हुई खरीद तथा 12101 मीट्रिक टन गेंहू का हुआ उठान

पंचकूला। जिला में रबी सीजन 2025-26 के दौरान गेंहू की खरीद तथा उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में अब तक 36515 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद और 12101 मीट्रिक टन गेंहू का अब तक उठान किया जा चुका है। इस संबंध में जानकारी देते हुए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा पंचकूला, बरवाला और रायपुररानी स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद व उठान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 36515 मीट्रिक टन गेंहू में से हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग बरवाला से 18419 मीट्रिक टन की खरीद और हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग रायपुररानी से 16449 मीट्रिक टन की खरीद तथा हैफेड पंचकूला द्वारा 1447 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है। इसी तरह हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा पंचकूला, बरवाला और रायपुररानी स्थित अनाज मंडियों में 12101 मीट्रिक टन गेंहू में से हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग बरवाला से 6300 मीट्रिक टन गेंहू का उठान हुआ।

‘अगले 5 वर्षों में सहकारी समितियां देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देंगी’: केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री

सहकारिता के माध्यम से ‘विकसित भारत का निर्माण’ पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आरआईसीएम चंडीगढ़ में हुआ उद्घाटन

कृष्ण पाल गुर्जर और मंत्री अरविंद कुमार शर्मा द्वारा सहकारी समितियों के लिए डिजिटल पोर्टल ‘मेरी समिति मेरा पटल’ लॉन्च किया गया

संवाददाता
चंडीगढ़

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के तहत क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (आरआईसीएम) चंडीगढ़ में 24-25 अप्रैल के दौरान ‘विकसित भारत का निमार्णः सहकारिता, किसान सशक्तिकरण और विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में परिवर्तन’ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्घाटन गुरुवार को केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा के सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने किया। इसका उद्देश्य भारत के सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए वैश्विक अंतर्दृष्टि का लाभ उठाना है। इसके साथ ही ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए नवीन प्रथाओं, रणनीतियों और सहयोग को बढ़ावा देना है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा सरकार के सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने सहकारी समितियों के लिए एक डिजिटल पोर्टल ‘मेरी समिति मेरा पटल’ लॉन्च किया। यह पोर्टल हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर की सहकारी समितियों के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसका उद्देश्य सहकारी समितियों के डिजिटलीकरण, कौशल संवर्धन और समाजीकरण को बढ़ावा देना है तथा यह सहकारी क्षेत्र में भविष्य की योजना के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम के रूप में कार्य करेगा। इससे सहकारी समितियों की मान्यता, संवादहीनता तथा नवीनतम प्रौद्योगिकी अपनाने में आने वाली अन्य समस्याओं को हल करने में मदद मिलेगी।

‘सहकारी समितियों को नवीनतम तकनीकों का लाभ मिलना चाहिए’

राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि ‘मेरी समिति मेरा पटल’ पोर्टल सहकारी समितियों की चुनौतियों का समाधान करने में मदद करेगा जो लाखों युवाओं को सशक्त बना रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार लगभग 8.5 लाख सहकारी समितियों को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठा रही है, उन्हें विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रदान करना। उन्होंने कहा, ‘डिजिटलीकरण के युग में सहकारी समितियों को भी नवीनतम तकनीकों का लाभ उठाना चाहिए।’ मंत्री ने सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण भारत के समग्र विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

‘हर भारतीय को सहकारी समितियों द्वारा दिए गए योगदान के बारे में पता होना चाहिए’

हरियाणा सरकार के सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने के लिए राज्य स्तर पर की गई विभिन्न पहलों पर जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि सरकार बहुउद्देशीय एवं बहुराज्यीय सहकारी समितियों के माध्यम से भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना चाहती है। उन्होंने सम्मेलन के सभी प्रतिभागियों से आ’ान किया कि वे अपने आसपास के लोगों को सहकारी समितियों/एसएचजी या ऐसी किसी संस्था से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा, ‘देश के प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम देश के विकास में सहकारी समितियों द्वारा किए गए विशाल योगदान के बारे में पता होना चाहिए।’ भारत सरकार, हरियाणा और पंजाब सरकार के कई अन्य अधिकारी भी सम्मेलन में उपस्थित थे। दोनों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ से कई सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों के सदस्य तथा समितियों से जुड़े किसान भी मौजूद रहे।

आरआईसीएम के प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा- कृषि व्यवसाय प्रबंधन का शुभारंभ

सम्मेलन के दौरान आरआईसीएम ने एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा-कृषि व्यवसाय प्रबंधन (पीजीडीएम-एबीएम) कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य सहकारिता और कृषि में व्यावसायिक उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित किया जाएगा। संस्थान की राष्ट्रीय शोध पत्रिका ‘सहकारिता अनुसंधान’ का भी विमोचन किया गया। इस पत्रिका का उद्देश्य सहकारिता, कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करना है। सम्मेलन के दौरान संस्थान ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट ‘समवेत’ और 2025-26 के लिए प्रशिक्षण कैलेंडर भी जारी किया, जिसमें आगामी वर्ष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया गया।

‘सम्मेलन संचार और नवाचार के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा’

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने सम्मेलन में पहुंचे अतिथियों, विशिष्ट प्रतिभागियों, सहयोगी कार्मिकों एवं संस्थान की टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का लक्ष्य केवल विचार-विमर्श नहीं है, बल्कि वास्तविक समाधान और नीतियां ढूंढना है, जिनके माध्यम से हम सहकारी समितियों को सशक्त बना सकें और उन्हें भारत के विकास में योगदान देने में मदद कर सकें। उन्होंने कहा, ‘यह मंच विचारों के आदान-प्रदान, नवाचारों का आकलन करने और अनुभवों के माध्यम से सीखने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है।’ उन्होंने सभी से सहयोग के माध्यम से एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में सामूहिक रूप से योगदान देने का आह्वान किया।